संयम ◆ संस्कार ◆ संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-23 अंक- 25
पृष्ठ 8
शनिवार
10 अक्टूबर 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- बदलते मौसम में बार-बार जुकाम..
विचार- लोकतंत्र का स्वाद चखते मोदी-शाह
खेल- भारत बनाम वेस्टइंडीज: अभिषेक...

योगी कैबिनेट: अब 'नरेंद्र मोदी जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट' के नाम से जाना जाएगा जेवर एयरपोर्ट

लखनऊ,संवाददाता। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने जेवर में निर्माणाधीन नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का नाम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम पर रखने का फैसला किया है। शुक्रवार को मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में एयरपोर्ट का नाम नरेंद्र मोदी जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। बैठक के बाद सीएम योगी ने इसकी जानकारी देते हुए प्रधानमंत्री के 25 वर्ष के जनसेवा कालखंड को देश और प्रदेश के विकास के लिए महत्वपूर्ण बताया। कैबिनेट ने इस दौरान कुल 39 प्रस्तावों पर मुहर लगाई। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जनसेवा के 25 वर्ष पूरे होने पर प्रदेश कैबिनेट ने उनके योगदान का अभिनंदन करते हुए यह प्रस्ताव पारित किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का उत्तर प्रदेश से आत्मीय संबंध है और उनके नेतृत्व में प्रदेश विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। मुख्यमंत्री के साथ उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक सहित सहयोगी दलों के नेता भी मौजूद रहे। सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री ने सेवा, समर्पण और राष्ट्र निर्माण को अपना ध्येय बनाया है। उनके नेतृत्व में भारत की वैश्विक पहचान मजबूत हुई है। मुख्यमंत्री ने अयोध्या में राम मंदिर निर्माण को 500 वर्षों के इंतजार की समाप्ति से जोड़ते हुए कहा कि काशी विश्वनाथ कॉरिडोर का निर्माण और विदेश से मां अन्नपूर्णा की प्रतिमा वापस लाकर स्थापित कराना भी प्रधानमंत्री के प्रयासों के महत्वपूर्ण उदाहरण हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 2017 से पहले प्रदेश में बुनियादी सुविधाओं का अभाव था, लेकिन अब एक्सप्रेसवे, हाईवे, मेट्रो और क्षेत्रीय रैपिड ट्रांजिट सिस्टम जैसी परियोजनाओं से कनेक्टिविटी बेहतर हुई है। जेवर एयरपोर्ट के विकास से उत्तर प्रदेश की हवाई संपर्क व्यवस्था और आर्थिक गतिविधियों को गति मिलने की उम्मीद है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 28 मार्च 2026 को एयरपोर्ट के पहले चरण का उद्घाटन किया था। परियोजना के पहले चरण में करीब 11 हजार करोड़ रुपये की लागत से 3,300 एकड़ क्षेत्र में टर्मिनल और रनवे विकसित किए गए हैं। इसकी शुरुआती यात्री क्षमता सालाना लगभग 1.2 करोड़ बताई गई है। सभी चार चरण पूरे होने पर इसे एशिया के सबसे बड़े हवाई अड्डों में शामिल करने की योजना है। मुख्यमंत्री ने प्रदेश में औद्योगिक विकास का उल्लेख करते हुए कहा कि लखनऊ में ब्रह्मोस मिसाइल निर्माण इकाई और पीएम मित्र टेक्सटाइल पार्क जैसी परियोजनाएं निवेश तथा रोजगार के नए अवसर पैदा कर सकती हैं। बेहतर सड़क और हवाई संपर्क से उत्तर प्रदेश लॉजिस्टिक हब के रूप में भी अपनी स्थिति मजबूत कर रहा है। इस बीच, ऊर्जा एवं नगर विकास मंत्री अरविंद कुमार शर्मा ने बताया कि नगरीय परिवहन व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए 18 नगर निगम क्षेत्रों में 1,725 नई इलेक्ट्रिक बसें चलाई जाएंगी। बस खरीद के लिए निधारित नीति के तहत टेंडर में सबसे कम दर देने वाली कंपनी से 50 प्रतिशत बसें खरीदी जाएंगी, जबकि बाकी बसें उत्तर प्रदेश में बसों का निर्माण करने वाली कंपनियों से ली जाएंगी। मुख्यमंत्री ने गरीबों, किसानों, महिलाओं और वंचित वर्गों के लिए संचालित योजनाओं का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 65 लाख से अधिक प्रधानमंत्री आवास उपलब्ध कराए गए हैं और 3.67 करोड़ राशन कार्डधारकों को मुफ्त खाद्यान्न दिया जा रहा है।

खरगे का मोदी सरकार पर आरोप: कहा-

भाजपा सिर्फ आर्थिक आतंकवाद लागू करती है, पूंजीपति मित्रों को पहुंचा रही फायदा

नई दिल्ली,एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शुक्रवार को नरेंद्र मोदी सरकार पर अर्थव्यवस्था के अलग–अलग क्षेत्रों में एकाधिकार और दो कंपनियों के दबदबे को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सरकार की आर्थिक नीतियां चुनिंदा पूंजीपति समूहों के पक्ष में हैं और इससे भाजपा को फायदा पहुंच रहा है। खरगे ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में आरोप लगाया कि सरकार की आर्थिक नीति का मकसद अपने पसंदीदा पूंजीपतियों को अर्थव्यवस्था का नियंत्रण सौंपना है। इसके बदले भाजपा मुनाफे में अपना हिस्सा बनाए रखना चाहती है। राज्यसभा में नेता विपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा, पीएम मोदी की आर्थिक नीति का उद्देश्य अपने पसंदीदा पूंजीपति मित्रों को अर्थव्यवस्था का नियंत्रण सौंपना है। ताकि बदले में भाजपा मुनाफे में अपना हिस्सा बनाए रखे। प्रतिस्पर्धा खत्म करके एकाधिकार और दो कंपनियों के दबदबे वाली व्यवस्था लागू कर उन्होंने सिर्फ भाजपा का खजाना भरने का काम किया है और आर्थिक उदारीकरण की नींव को बर्बाद कर दिया है। खरगे ने दूरसंचार क्षेत्र का उदाहरण देते हुए दावा किया कि 2014 से पहले इस क्षेत्र में 13 कंपनियां थीं, जबकि अब केवल तीन प्रमुख निजी कंपनियां बची हैं। उन्होंने घरेलू विमानन क्षेत्र का भी जिक्र किया। खरगे के मुताबिक, 2014 से पहले इस क्षेत्र में सात प्रमुख कंपनियां थीं, लेकिन अब इनकी संख्या घटकर दो रह गई है। उन्होंने कहा, ष्चाहे डिजिटल भुगतान हो, सीमेंट हो या फूड डिलीवरी एप, हर जगह सरकार की प्राथमिकता प्रतिस्पर्धा खत्म करने की रही है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि देश में आर्थिक उदारीकरण की शुरुआत कांग्रेस ने की थी।

गुजरात के कच्छ में बड़ा हादसा: ट्रक और पिकअप की टक्कर में सात मजदूरों की मौत, 20 से ज्यादा घायल

भुज,एजेंसी। गुजरात के कच्छ जिले में शुक्रवार तड़के एक ट्रक और पिकअप वाहन बोलेरो कैंपर की आमने–सामने टक्कर हो गई। इस हादसे में सात मजदूरों की मौत हो गई, जबकि 20 से ज्यादा लोग घायल हो गए। पुलिस के मुताबिक, हादसा खावड़ा के पास स्थित रिन्यूएबल एनर्जी पार्क के अंदर सुबह करीब तीन से चार बजे के बीच हुआ। खावड़ा पुलिस थाने के उपनिरीक्षक एमबी चावड़ा के मुताबिक, ट्रक और बोलेरो कैंपर (पिकअप वाहन) विपरीत दिशाओं से आ रहे थे। इसी दौरान दोनों की आमने–सामने टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बोलेरो कैंपर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे के समय पिकअप वाहन में सवार सभी लोग इसकी चपेट में आए। पुलिस के मुताबिक, हादसे के बाद सात मजदूर बुरी तरह क्षतिग्रस्त बोलेरो कैंपर के अंदर फंस गए थे। उन्हें बाहर निकालने के लिए क्रेन की मदद लेनी पड़ी।

सुप्रीम कोर्ट ने जंतर-मंतर पर कॉजपा के प्रदर्शन की स्वतंत्र जांच की मांग वाली याचिका खारिज की

नयी दिल्ली,एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को उस याचिका को खारिज कर दिया जिसमें केंद्र, दिल्ली सरकार और पुलिस को जुलाई में जंतर–मंतर में कॉकरोच जनता पार्टी (कॉजपा) के नेतृत्व में हुए प्रदर्शन की स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया था। राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) प्रश्नपत्र लीक के खिलाफ कॉजपा का यह प्रदर्शन तत्कालीन केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के साथ समाप्त हुआ था। शीर्ष अदालत ने इस अनुरोध को भी स्वीकार करने से इनकार कर दिया कि यह घोषित किया जाए कि पुलिस भी न्यायपालिका की तरह कानून–व्यवस्था बनाए रखने और अपराधों की जांच करने में संप्रभु एवं स्वतंत्र रूप से काम करती है और उसके कामकाज में तब तक हस्तक्षेप नहीं किया जाना चाहिए, जब तक उसकी कार्रवाई कानून के विपरीत न हो।

स्टारलिंक विवाद: मस्क को न्योते के बाद राहुल गांधी का बड़ा बयान, कहा-

मैं कारोबार नहीं, एकाधिकार के खिलाफ हूं

नई दिल्ली,एजेंसी। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शुक्रवार को कहा कि भारत में ऐसा माहौल होना चाहिए, जहां हर कारोबार को प्रतिस्पर्धा करने का उचित अवसर मिले। उन्होंने कहा कि कांग्रेस राजनीतिक संरक्षण वाले पूंजीवाद की व्यवस्था को खत्म करने, नवाचार और मेहनत पर आधारित अर्थव्यवस्था बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। राहुल गांधी का यह बयान अमेरिकी कारोबारी एलन मस्क के साथ सोशल मीडिया मंच एक्स पर हुई बातचीत के एक दिन बाद आया है। मस्क ने स्टारलिंक की सैटेलाइट इंटरनेट सेवाओं को लेकर चल रहे विवाद के बीच सवाल उठाया था कि क्या रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी भारत के असली बॉस हैं। राहुल गांधी ने गुरुवार को मस्क की पोस्ट पर जवाब देते हुए कहा था, भारत में आपका स्वागत है, एलन। दूसरे शख्स के बारे में जानने के बाद इंतजार कीजिए। इसके एक दिन बाद राहुल गांधी ने अपने व्हाट्सएप चौनल पर एक अन्य पोस्ट में कहा कि भारत को ऐसे समान अवसर वाले माहौल की जरूरत है, जहां हर कारोबार को प्रतिस्पर्धा करने का उचित मौका मिले।

उन्होंने कहा, कांग्रेस पार्टी और मैं क्रोनी कैपिटलिज्म की इस व्यवस्था को तोड़ने और ऐसी अर्थव्यवस्था बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जो नवाचार और कड़ी मेहनत से आगे बढ़े, न कि राजनीतिक संरक्षण से। राहुल गांधी ने इस पोस्ट के साथ एक वीडियो भी साझा किया।

अक्टूबर माह का सावित्री देवी स्मृति सम्मान शहर समता महिला काव्यगोष्ठी चंडीगढ़ ट्राई सिटी की नीरजा शर्मा को दिया जाएगा

प्रयागराज। हर माह मिलने वाला सावित्री देवी स्मृति सम्मान अक्टूबर 2026 का शहर समता महिला काव्यगोष्ठी चंडीगढ़ ट्राई सिटी इकाई की आदरणीया नीरजा शर्मा जी को दिया जाएगा। रचनाकार नीरजा शर्मा जी पर चार पेज का सावित्री देवी स्मृति सम्मान विशेषांक भी प्रकाशित होगा, जिसमें रचनाकार को 30–35 कविताएं, कहानी, अपना जीवनवृत्त और अपना आत्मसंघर्ष टाइप करके देना पड़ेगा। साथ में एक पोस्ट कार्ड साइज की फोटो भी।

जीएसटी काउंसिल के फैसले व्यापारियों के प्रति मोदी सरकार की प्रतिबद्धता का प्रमाण : भाजपा

पटना,एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) काउंसिल की बैठक में व्यापारियों के हित में लिये गये निर्णयों का स्वागत करते हुए कहा है कि ये फैसले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की व्यापारिक समुदाय के प्रति संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता सुरेश रुंगटा ने शुक्रवार को कहा कि सरकार व्यापारियों को राहत देने, कारोबार को आसान बनाने और उनके आर्थिक सशक्तीकरण के लिए लगातार प्रयास कर रही है। श्री रुंगटा ने कहा कि व्यापारी देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं और उनके सम्मान, सुविधा तथा हितों की रक्षा करना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। जीएसटी काउंसिल की ओर से जीएसटी संबंधी अपराधों में गिरफ्तारी के प्रावधानों को हटाने, अभियोजन की आर्थिक सीमा एक करोड़ रुपये से बढ़ाकर पांच करोड़ रुपये करने तथा सामान्य जुर्माने को 25 हजार रुपये से घटाकर 10 हजार रुपये करने संबंधी सिफारिशें व्यापारियों के लिए बड़ी राहत साबित होंगी।

हमारा आंदोलन होकर रहेगा

प्रदर्शन की इजाजत न मिलने पर बोले दीपके

नई दिल्ली,एजेंसी। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के विरोध–प्रदर्शन से एक दिन पहले, शुक्रवार को इसके संस्थापक अभिजीत दीपके ने केंद्र सरकार की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि अगर सरकार युवाओं से डरती है, तो उसे पूरे देश को ही बंद कर देना चाहिए। यह बयान 10 अक्तूबर को राष्ट्रीय राजधानी आने–जाने वाली ट्रेनों के रद्द होने के बाद आया है। इसके साथ ही कहा कि हमारा आंदोलन होकर रहेगा। सीजेपी ने चुनाव आयोग की ओर से मतदाता सूची के श्स्पेशल इंटेंसिव रिविजनश (एसआईआर) में भारी गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए, मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर शनिवार को दिल्ली के जंतर–मंतर पर बड़े पैमाने पर प्रदर्शन करने का आह्वान किया है। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दीपके ने कहा, श्हमारा आंदोलन होकर रहेगा। जंतर–मंतर विरोध प्रदर्शन के लिए तय जगह है। अनुच्छेद 19 विरोध करने का मौलिक अधिकार देता है तो, फिर इजाजत लेने की क्या जरूरत है? क्या उन्होंने 13 करोड़ वोट हटाने से पहले इजाजत ली थी? आप चाहते हैं कि हम चुनाव में धांधली करने वालों के खिलाफ आवाज न उठाएं? ऐसा नहीं हो सकता। देश ऐसे नहीं चल सकता। देश को बचाने के लिए हम विरोध प्रदर्शन करेंगे। वहीं, रेलवे बोर्ड ने शुक्रवार को 10 अक्तूबर को सुबह 4 बजे से दोपहर 2 बजे के बीच नई दिल्ली और हजरत निज़ामुद्दीन स्टेशनों पर पहुंचने वाली कुछ मेल और एक्सप्रेस ट्रेनों को रद्द कर दिया। दिल्ली पुलिस ने दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) से 57 मेट्रो स्टेशन बंद करने का आग्रह किया है ताकि विरोध प्रदर्शन में शामिल होने आ सकने वाले युवाओं की आवाजाही को रोका जा सके। इस घटनाक्रम पर पत्रकारों से बात करते हुए दीपके ने कहा कि जंतर–मंतर पर विरोध प्रदर्शन करने के लिए सरकार की अनुमति की कोई आवश्यकता नहीं है, क्योंकि यह प्रदर्शन के लिए निर्धारित स्थान है।

PRESS
हमेशा आपके साथ

दैनिक एवं साप्ताहिक हिंदी समाचार पत्र

शहर समता
संयम ★ संस्कार ★ संतुलन

Website
www.shaharsamta.com

Subscribe on YouTube
youtube.com/@shaharsamtanews

सही खबर, सही समय पर

स्थापित 2001 • RNI Dainik UPHIN/2004/22466 • साप्ताहिक UPHIN/2001/03996 • कार्यालय 289/238 A कर्नलगंज प्रयागराज • संपर्क 9005239332, 9450482227

पिटाई से आक्रोशित टीटीईः जीआरपी थाने पर किया प्रदर्शन, आरोपी दोनों सिपाहियों को किया गया सस्पेंड

प्रयागराज। छिवकी रेलवे स्टेशन पर शुक्रवार को टिकट जांचने को लेकर टीटीई और जीआरपी के दो सिपाहियों के बीच विवाद हो गया। टीटीई अशोक कुमार ने सिपाहियों पर मारपीट का आरोप लगाया। घटना से नाराज 40 से 50 टीटीई जीआरपी थाने के सामने धरने पर बैठ गए और आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करने लगे। सीओ ने बताया कि आरोपी सिपाहियों को निलंबित कर दिया गया है। छिवकी रेलवे स्टेशन

पर शुक्रवार को टीटीई और जीआरपी के सिपाहियों के बीच विवाद हो गया। टीटीई का आरोप है कि सिपाहियों ने उनके साथ मारपीट की। मामला बढ़ने पर बड़ी संख्या में टीटीई जुट गए और जीआरपी थाने के सामने धरने पर बैठ गए। उनका कहना था कि जब तक आरोपी सिपाहियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं की जाती, तब तक वे वहां से नहीं हटेंगे।

टीटीई अशोक कुमार ने बताया कि शुक्रवार सुबह जीआरपी के दो सिपाही सादे कपड़ों में यात्रियों के टिकट जांच रहे थे। यह देखकर उन्होंने विरोध जताया तो सिपाही उन्हें धमकाने लगे। जब उन्होंने सिपाहियों का वीडियो बनाना शुरू किया तो दोनों ने मिलकर उनके साथ मारपीट की। घटना की जानकारी मिलने पर 40 से 50 टीटीई मौके पर पहुंच गए और जीआरपी थाने के सामने नारेबाजी करने लगे। वे दोनों आरोपी सिपाहियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग को लेकर धरने पर बैठ गए। सूचना पाकर पहुंचे सीओ जीआरपी अरुण कुमार पाठक पहुंचे। उन्होंने बताया कि दोनों आरोपी सिपाहियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया लेकिन टीटीई का कहना है कि जब तक सीनियर डीसीएम मौके पर नहीं आते हैं तब तक उनका प्रदर्शन जारी रहेगा।

नवरात्र में प्रयागराज से होकर चलेगी उतरेटिया–मिर्जापुर स्पेशल ट्रेन

प्रयागराज। शारदीय नवरात्र के मौके पर लखनऊ के उतरेटिया से मिर्जापुर के बीच स्पेशल ट्रेन चलेगी। इस ट्रेन का संचालन प्रयागराज जंक्शन और विंध्याचल के रास्ते 11 से 27 अक्तूबर तक होगा। शारदीय नवरात्र के मौके पर लखनऊ के उतरेटिया से मिर्जापुर के बीच स्पेशल ट्रेन चलेगी। इस ट्रेन का संचालन प्रयागराज जंक्शन और विंध्याचल के रास्ते 11 से 27 अक्तूबर तक होगा। ट्रेन उतरेटिया से रायबरेली, प्रतापगढ़ के कुंडा होकर प्रयागराज और यहां से मिर्जापुर रवाना होगी। गाड़ी (04129) मिर्जापुर–उतरेटिया स्पेशल ट्रेन मिर्जापुर से शाम 4रू05 बजे चलकर विंध्याचल (04रू13 बजे), मेजा रोड (04रू53 बजे), नैनी (05रू25 बजे), प्रयागराज जंक्शन (06रू10 बजे), प्रयाग (07रू00 बजे), कुंडा हरनामगंज (07रू45 बजे), ऊंचाहार (08रू15 बजे), रायबरेली (09रू03 बजे) और बछरावां (09रू42 बजे) रुकते हुए रात 11रू10 बजे उतरेटिया पहुंचेगी। इसी तरह उतरेटिया से गाड़ी (04130) रात 01रू00 बजे प्रस्थान करेगी। बछरावां (01रू32 बजे), रायबरेली (02रू03 बजे), ऊंचाहार (02रू43 बजे), कुंडा हरनामगंज (03रू15 बजे), प्रयाग (05रू03 बजे), प्रयागराज जंक्शन (05रू25 बजे), नैनी (06रू08 बजे), मेजा रोड (06रू35 बजे) तथा विंध्याचल (07रू45 बजे) होते हुए सुबह 08रू30 बजे मिर्जापुर पहुंचेगी।

उपभोक्ता आयोग का आदेशः शादी की तारीख बदलने पर एडवांस रुपये लौटाने से इन्कार नहीं कर सकता होटल

प्रयागराज। जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग ने कहा कि शादी की तारीख बदलने पर होटल एडवांस रुपये लौटाने से इन्कार नहीं कर सकता। जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग ने कहा कि शादी की तारीख बदलने पर होटल एडवांस रुपये लौटाने से इन्कार नहीं कर सकता। आयोग ने इलाहाबाद रिजेंसी होटल को 1.25 लाख रुपये और इवेंट आयोजक को 25 हजार रुपये आठ प्रतिशत वार्षिक साधारण ब्याज के साथ वापस करने का आदेश दिया है। यह आदेश आयोग के अध्यक्ष मोहम्मद इब्राहीम व सदस्य प्रकाश चंद्र त्रिपाठी की पीठ ने दिया है। नैनी स्थित एडीए कॉलोनी की रहने वाली स्वाति मिश्रा ने आयोग में परिवाद दाखिल किया था। उनका कहना था कि उन्होंने शादी के लिए होटल में 28 नवंबर 2016 की तारीख बुक कराई थी। इसके लिए होटल को 1.25 लाख रुपये और इवेंट आयोजक को 25 हजार रुपये दिए थे। कुछ कारणों से विवाह की तारीख बदलकर तीन दिसंबर 2016 हो गई। उन्होंने इसकी सूचना होटल और आयोजक को देते हुए रुपये नई तारीख के लिए समायोजित करने व वापस करने का अनुरोध किया, लेकिन लौटाए नहीं गए। होटल ने दावा किया कि स्वाति मिश्रा के नाम से कोई बुकिंग नहीं हुई थी। आयोग ने बैंक रिकॉर्ड और इवेंट संबंधी दस्तावेजों की जांच में गेस्ट नेम स्वाति मिश्रा और शादी की तारीख 28 नवंबर 2016 दर्ज पाई। आयोग ने माना कि परिवादिनी और दोनों विपक्षीगण के बीच उपभोक्ता–सेवा प्रदाता का संबंध स्थापित है। इन आधारों पर आयोग ने ब्याज सहित रुपये लौटाने का आदेश दिया है। साथ ही विपक्षीगणों को मानसिक व आर्थिक क्षतिपूर्ति के लिए 20 हजार और 10 हजार रुपये वाद व्यय के रूप में देने के लिए कहा है।

पूर्व ब्लॉक प्रमुख समेत चार पर एफआईआर

प्रयागराज। कौड़िहार के पूर्व सपा ब्लॉक प्रमुख समेत चार के खिलाफ गोवध निवारण अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। पिकअप से चार गोवंश बरामद किए हैं। प्रयागराज। कौड़िहार के पूर्व सपा ब्लॉक प्रमुख समेत चार के खिलाफ गोवध निवारण अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। पिकअप से चार गोवंश बरामद किए हैं। मामले में चालक को गिरफ्तार कर लिया गया, जबकि अन्य नामजद तीन की तलाश में दबिश दी जा रही है। पुलिस के अनुसार बृहस्पतिवार सुबह करीब पांच बजे चौकी प्रभारी मंसूराबाद भीष्म नारायण सिंह पुलिस बल के साथ हंडिया–कानपुर हाईवे के बाईपास स्थित शृंग्वेरपुर सर्विस रोड पर वाहनों की निगरानी कर रहे थे। इसी दौरान पुलिस ने पिकअप को रोक कर चालक फिरोज अहमद निवासी सेवईथ सोरांव को पकड़ा पुलिस को फिरोज ने बताया कि नवाबगंज के चफरी के रहने वाले कौड़िहार के पूर्व ब्लॉक प्रमुख मोहम्मद मुजफ्फर, उनके बड़े भाई असलम और भतीजे जैद के कहने पर गोवंश को पिकअप से बिहार ले जाता था।

फर्जीवाड़े के आधार पर नियुक्ति शुरू से ही शून्य, अदालत अपनी आंखें बंद नहीं कर सकती

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि फर्जीवाड़े के आधार पर नियुक्ति शुरू से ही शून्य मानी जाएगी। इस आधार कर्मचारी पदोन्नति या सेवा विस्तार जैसे कानूनी अधिकार का दावा नहीं कर सकता।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि फर्जीवाड़े के आधार पर नियुक्ति शुरू से ही शून्य मानी जाएगी। इस आधार कर्मचारी पदोन्नति या सेवा विस्तार जैसे कानूनी अधिकार का दावा नहीं कर सकता। किसी स्पष्ट अवैधता को कायम रखने या बढ़ावा देने के लिए अदालत अपनी आंखें नहीं बंद कर सकती।

इस टिप्पणी के साथ न्यायमूर्ति सौमित्र दयाल सिंह और न्यायमूर्ति स्वरूपमा चतुर्वेदी की खंडपीठ ने वाराणसी के संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय में फर्जी शासनादेश से निदेशक (प्रकाशन) पद पर पदोन्नत हुए डॉ.पद्माकर मिश्रा की स्पेशल अपील खारिज कर दी। साथ ही उनके सेवा विस्तार पर मुहर लगाने वाले एकल पीठ के आदेश को चुनौती देने वाली विवि की अपील स्वीकार कर ली।

डॉ.पद्माकर मिश्रा की नियुक्ति 18 सितंबर 1998 को विक्रय अधिकारी के पद पर हुई थी। बाद में उन्होंने 31 दिसंबर 2003 के एक शासनादेश के आधार पर निदेशक (प्रकाशन) पद पर पदोन्नति का दावा किया। इसी आधार पर उन्होंने सेवानिवृत्ति की आयु 60 से बढ़ाकर 62 वर्ष करने की मांग की थी।

इस पर राज्य सरकार की जांच में सामने आया कि वह कथित शासनादेश शासन स्तर से जारी ही नहीं हुआ था। तत्कालीन अनुसचिव प्रेम शंकर ने भी उस पर अपने हस्ताक्षर होने से इन्कार कर दिया। लखनऊ स्थित विधि विज्ञान प्रयोगशाला की जांच में भी हस्ताक्षर कूटरचित पाए गए। इसके बाद शासन ने 17 सितंबर 2019 को कथित शासनादेश निरस्त कर एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश दिए थे।

हालांकि, हाईकोर्ट की एकल पीठ ने याचिका पर उन्हें 62 वर्ष की आयु तक पद पर बने रहने की अनुमति दे दी थी। इस आदेश को विवि ने खंडपीठ के समक्ष अपील में चुनौती दी, जो स्वीकार कर ली गई। कोर्ट ने कहा कि फर्जी या अस्तित्वहीन दस्तावेज के आधार पर कानूनी अधिकार का दावा नहीं किया जा सकता। धोखाधड़ी उस पूरे आधार को दूषित कर देती है, जिस पर कोई दावा खड़ा किया गया हो। पदोन्नति का मूल आधार ही फर्जी साबित हो गया है तो उसके आधार पर याची को निदेशक (प्रकाशन) पद पर बने रहने का कोई विधिक अधिकार नहीं बचता।

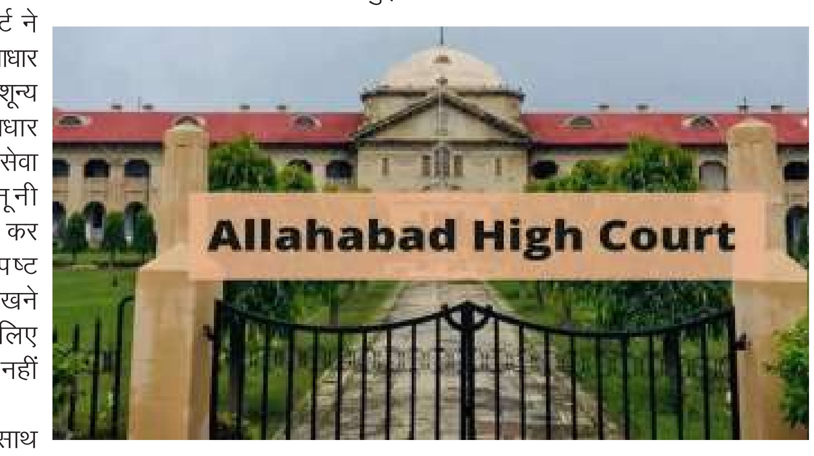

काम की अवधि का वेतन मिलेगा, वसूली नहीं होगी

कोर्ट ने मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए स्पष्ट किया कि याची ने निदेशक (प्रकाशन) के रूप में जितनी अवधि वास्तव में काम किया है, उसका वेतन और अन्य भुगतान उसे दिए जाएंगे। इस अवधि में किए गए भुगतानों की कोई वसूली नहीं की जाएगी।

रेलवे का बड़ा एलानः दिल्ली में होने वाले प्रदर्शन के चलते प्रयागराज और हमसफर समेत कई ट्रेनें निरस्त

प्रयागराज। दिल्ली में 10 अक्तूबर को प्रस्तावित विपक्षी दलों के विरोध प्रदर्शन का असर रेल यातायात पर पड़ेगा। जाम की आशंका के चलते रेलवे ने कई ट्रेनों को निरस्त करने का फैसला लिया है। प्रयागराज जंक्शन से दिल्ली जाने वाली प्रयागराज एक्सप्रेस, रीवा एक्सप्रेस, शिवगंगा एक्सप्रेस और हमसफर एक्सप्रेस समेत कई ट्रेनें आज निरस्त रहेंगी। ऐसे में यात्रियों को सलाह दी गई है कि वे स्टेशन जाने से पहले अपनी ट्रेन की स्थिति जरूर जांच लें।

राजधानी दिल्ली में 10 अक्तूबर को कांग्रेस समेत अन्य विपक्षी दलों के प्रस्तावित विरोध प्रदर्शन और जाम की आशंका को देखते हुए भारतीय रेलवे ने कई ट्रेनों को निरस्त करने का फैसला लिया है। इससे प्रयागराज जंक्शन से दिल्ली जाने वाले यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। रेलवे ने 10 अक्टूबर को सुबह चार बजे से दोपहर दो बजे के बीच नई दिल्ली और हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन पहुंचने वाली कई मेल और एक्सप्रेस ट्रेनों को उनके प्रारंभिक स्टेशन से ही निरस्त करने का निर्णय लिया है। इसके तहत नौ अक्टूबर को दोपहर दो बजे के बाद रवाना होने वाली संबंधित ट्रेनों का संचालन प्रभावित रहेगा।

रेलवे प्रशासन के अनुसार, यह फैसला नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर पूर्व में हुई एक घटना को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। उस दौरान विरोध प्रदर्शन और सड़क पर जाम के कारण करीब पांच हजार यात्री समय पर स्टेशन नहीं पहुंच सके थे और उनकी ट्रेनें छूट गई थीं। यात्रियों को दोबारा ऐसी परेशानी से बचाने के लिए रेलवे ने एहतियाती कदम उठाया है। प्रयागराज जंक्शन से दिल्ली जाने वाली प्रयागराज एक्सप्रेस, रीवा एक्सप्रेस, शिवगंगा एक्सप्रेस और हमसफर एक्सप्रेस समेत कई ट्रेनें शुक्रवार, नौ अक्टूबर को निरस्त की जा रही हैं। रेलवे ने यात्रियों से अपील की है कि वे यात्रा शुरू करने से पहले अपनी ट्रेन की स्थिति की जानकारी अवश्य प्राप्त कर लें।

दिल्ली में यातायात जाम की आशंका, उत्तर मध्य रेलवे ने 16 ट्रेनें की निरस्त

राजधानी दिल्ली में 10 अक्तूबर को सड़क जाम और भारी यातायात की आशंका को देखते हुए उत्तर मध्य रेलवे ने यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा के लिए 16 मेल, एक्सप्रेस और लोकल ट्रेनों को निरस्त करने का निर्णय लिया है। इनमें प्रयागराज से नई दिल्ली जाने वाली प्रयागराज एक्सप्रेस और हमसफर एक्सप्रेस भी शामिल हैं। ट्रेनें नौ और 10 अक्तूबर को निरस्त रहेंगी। रेलवे के अनुसार, यातायात संबंधी परामर्श में 10 अक्तूबर को सुबह चार बजे से दोपहर दो बजे तक नई दिल्ली और हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन के आसपास भारी जाम की आशंका जताई गई है। इसे देखते हुए संबंधित ट्रेनों को उनके प्रारंभिक स्टेशन से ही निरस्त किया गया है।

युवा मंच के अध्यक्ष अनिल सिंह को पुलिस ने किया हाउस अरेस्ट, जंतर मंतर पर जाने से पहले ही नजरबंद

प्रयागराज। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर दिल्ली के जंतर–मंतर पर प्रदर्शन करने जा रहे युवा मंच के प्रदेश अध्यक्ष अनिल सिंह को हाउस अरेस्ट किए जाने का संगठन ने आरोप लगाया है। युवा मंच ने इसे लोकतांत्रिक अधिकारों से जुड़ा सवाल बताते हुए आंदोलन जारी रखने का एलान किया है। अनिल सिंह ने कहा कि सरकार की कोशिशों से अन्याय के खिलाफ आवाज नहीं रुकेगी। उन्होंने चेतावनी दी कि धर्मेंद्र प्रधान के बाद दूसरा विकेट भी गिरेगा। भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर युवा मंच ने आंदोलन का एलान किया है। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष अनिल सिंह को दिल्ली जाने से पहले हाउस अरेस्ट किए जाने का आरोप लगाया गया है। उन्हें जंतर–मंतर पर प्रदर्शन में शामिल होना था। युवा मंच का कहना है कि अनिल सिंह को दिल्ली पहुंचने से रोकने के लिए यह कार्रवाई की गई।

संगठन ने इस कार्रवाई पर सवाल उठाए हैं। उसका कहना है कि लोकतंत्र में विरोध दर्ज कराने का अधिकार सभी को है। जनता की आवाज दबाने के बजाय उसकी बात सुनी जानी चाहिए। हालांकि, इस मामले में प्रशासन का पक्ष सामने

आने पर स्थिति स्पष्ट होगी।

अनिल सिंह ने कहा कि सरकार की कोशिशों से अन्याय के खिलाफ उनकी आवाज नहीं रुकेगी। उन्होंने कहा कि जनता के सवालों का जवाब लोकतांत्रिक तरीके से दिया जाना चाहिए। सत्ता किसी की निजी संपत्ति नहीं है। जनता की आवाज सुनना सरकार की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि संवैधानिक संस्थाओं और जिम्मेदार पदों पर बैठे लोगों से सवाल पूछना जनता का अधिकार है। ऐसे सवालों का जवाब पारदर्शिता और जवाबदेही से दिया जाना चाहिए। असहमति को भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में जगह मिलनी चाहिए।

अनिल सिंह ने ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग दोहराई। उन्होंने कहा कि राजनीतिक और प्रशासनिक स्तर पर जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। उन्होंने कहा, सरकार जितनी भी कोशिश कर ले, अन्याय के खिलाफ हमारी आवाज रुकने वाली नहीं है। धर्मेंद्र प्रधान के बाद दूसरा विकेट भी गिरेगा।

अनिल सिंह ने कहा कि यह आंदोलन लोकतंत्र, जवाबदेही और जनता के अधिकारों से जुड़े मुद्दों पर केंद्रित है। युवा मंच ने भी आंदोलन जारी रखने की बात कही है।

संगठन के मुताबिक, वह अपनी मांगें लोकतांत्रिक और संवैधानिक तरीके से उठाता रहेगा। अब इस मामले में प्रशासन के पक्ष का इंतजार है। साथ ही, यह देखना होगा कि युवा मंच अपनी मांगों को लेकर आगे क्या कदम उठाता है।

देश की आकाशीय सुरक्षा के लिए संगमनगरी से मिलती है जांबाजों को उड़ान

प्रयागराज। प्रयागराज स्थित मध्य वायु कमान मुख्यालय का जहां एक ओर गौरवशाली इतिहास रहा है तो वहीं बमरौली स्थित एयरफोर्स स्टेशन का बेसिक फ्लाइंग ट्रेनिंग स्कूल (बीएफटीएस) 38 वर्षों से देश के जांबाज सैन्य पायलटों की नींव तैयार करने का एक प्रमुख केंद्र बना हुआ है। शुक्रवार को ट्रेनिंग स्कूल अपनी स्थापना के 39 वर्ष पूरा करेगा। बीएफटीएस की स्थापना नौ अक्तूबर 1987 को की गई थी। शुरुआती दौर में एयरफोर्स अकादमी की क्षमता पूरी होने के कारण प्रयागराज के बमरौली में 'एब–इनिशियो' (प्रारंभिक) फ्लाइंग ट्रेनिंग प्रतिष्ठान स्थापित करने का निर्णय लिया गया था।

तब यहां स्वदेश में विकसित एचपीटी–32 विमान के जरिये युवा कैडेटों को उड़ान का पहला अनुभव कराया जाता था। दिसंबर 2005 में आखिरी एचपीटी–32 विमान ने बमरौली से उड़ान भरी और इसके साथ ही यहां चेतक हेलीकॉप्टरों के नए युग की शुरुआत हुई। एक फरवरी 2006 से चेतक हेलीकॉप्टरों पर सैन्य पायलटों का प्रशिक्षण सफलतापूर्वक शुरू कर दिया गया। यहां थल सेना और तटरक्षक बल समेत विभिन्न सुरक्षा बलों के पायलटों को हेलीकॉप्टर उड़ान का स्टेज वन प्रशिक्षण दिया जाता है। अब तक यहां से 40 पायलट कोर्स सफलतापूर्वक पास आउट हो चुके हैं, जिनके माध्यम से 1150 से अधिक कुशल सैन्य पायलट देश की सेवा के लिए तैयार किए जा चुके हैं। संगमनगरी में अक्तूबर 2023 में वायु सेना दिवस के अवसर पर त्रिवेणी संगम के ऊपर हुए एयर शो के दौरान बीएफटीएस के एक हेलीकॉप्टर ने नए वायु सेना ध्वज को गर्व के साथ फहराया। रक्षा विभाग के प्रवक्ता देवार्थो धर ने बताया कि बीएफटीएस की बड़ी भूमिका है। इसके माध्यम से लगातार सैन्य पायलट तैयार किए जा रहे हैं।

कर्मचारियों की समस्याओं पर यथाशीघ्र उचित कार्रवाई का प्रयास करेंगेः न्यायमूर्ति सिद्धार्थ वर्मा

प्रयागराज। कर्मचारियों–अधिकारियों की समस्याओं व मांगों को मुख्य न्यायाधीश के समक्ष रखने और प्रशासन–कर्मचारियों के बीच समन्वय बनाने में संघटन की महत्वपूर्ण भूमिका है। कर्मचारियों से जुड़े मुद्दों पर यथाशीघ्र उचित कार्रवाई सुनिश्चित कराने का प्रयास किया जाएगा। ये बातें उच्च न्यायालय कर्मचारी अधिकारी संघ के नवनियुक्त अध्यक्ष न्यायमूर्ति सिद्धार्थ वर्मा ने कहीं। बृहस्पतिवार को उच्च न्यायालय कर्मचारी अधिकारी संघ की ओर से हाईकोर्ट परिसर स्थित मार्बल हॉल में संघ के नवनियुक्त अध्यक्ष न्यायमूर्ति सिद्धार्थ वर्मा के स्वागत व अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान संघ के निवर्तमान अध्यक्ष व वर्तमान में बॉम्बे हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति महेश चंद्र त्रिपाठी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समारोह में शामिल हुए। उन्होंने प्रतीकात्मक रूप से संघ की चाबी न्यायमूर्ति सिद्धार्थ वर्मा को सौंपकर अध्यक्ष पद का दायित्व प्रदान किया। इस दौरान मुख्य न्यायाधीश अरुण भंसाली, न्यायमूर्ति अतुल श्रीधरन, न्यायमूर्ति सौमित्र दयाल सिंह, न्यायमूर्ति सरल श्रीवास्तव, न्यायमूर्ति राजीव गुप्ता और न्यायमूर्ति अजित कुमार रहे। महानिबंधक मनजीत सिंह श्योरान और विशेष अधिकारी (सतर्कता) कृष्ण बिहारी दीपक शामिल रहे। न्यायमूर्ति सिद्धार्थ वर्मा ने कहा कि अध्यक्ष के रूप में उनका प्रयास रहेगा कि कर्मचारियों और अधिकारियों से जुड़े विषयों को उचित मंच तक प्रभावी ढंग से पहुंचाया जाए। इस दौरान महासचिव निखिल कुमार सिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष विजयनंद द्विवेदी, कनिष्ठ उपाध्यक्ष आशीष प्रताप सिंह, संयुक्त सचिव बृजेश यादव, सहायक सचिव अंकुर, कोषाध्यक्ष प्रकर्ष मालवीय, खेल सचिव जुनेद अहमद रहे।

परिवार न्यायालयों में काउंसलर्स की नियुक्ति पर रोक

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने प्रदेश के परिवार न्यायालयों में काउंसलर्स की नियुक्ति के लिए 14 सितंबर को जारी विज्ञापन के तहत नियुक्तियां करने पर रोक लगा दी है। कोर्ट ने राज्य सरकार से पूछा है कि 19 मार्च 2026 के हाईकोर्ट के आदेश के अनुपालन में काउंसलर्स की नियुक्ति के लिए नियमावली तैयार की गई है या नहीं। यदि नियमावली नहीं बनी है तो मौजूदा विज्ञापन के आधार पर नियुक्तियां नहीं की जाएंगी। यह आदेश न्यायमूर्ति अजित कुमार, न्यायमूर्ति गरिमा प्रसाद की खंडपीठ ने वीरेंद्र सिंह व तीन अन्य की याचिका पर दिया। याचिका में कहा गया कि याची 2020 में इलाहाबाद और कानपुर के परिवार न्यायालयों में काउंसलर के पद पर एडहॉक नियुक्त हुए थे। उन्होंने निर्धारित प्रशिक्षण भी लिया और तीन वर्ष बाद उनका कार्यकाल तीन वर्ष के लिए बढ़ाया गया। अब 14 सितंबर के विज्ञापन के जरिये नई एडहॉक नियुक्तियां की जा रही हैं। याची के अधिवक्ता ने कहा कि एक एडहॉक नियुक्ति को दूसरी एडहॉक नियुक्ति से प्रतिस्थापित नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने सरकार से यह भी बताने को कहा है कि काउंसलर्स की संख्या में कितनी वृद्धि की गई है। साथ ही याचिका लंबित रहने तक न्यायिक कार्य प्रभावित न हो। इसलिए याचियों को काम करने देने का आदेश दिया है।

हाईकोर्ट ने न्यायिक मजिस्ट्रेट को प्रशिक्षण के लिए भेजा लखनऊ, अधिकार क्षेत्र के बाहर जाकर पारित किया था

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कुशीनगर की इंचार्ज न्यायिक मजिस्ट्रेट के अपीलीय अदालत के फैसले के बाद दोषी की सजा निलंबित करने के मामले में नाराजगी जताई है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कुशीनगर की इंचार्ज न्यायिक मजिस्ट्रेट के अपीलीय अदालत के फैसले के बाद दोषी की सजा निलंबित करने के मामले में नाराजगी जताई है। कोर्ट ने न्यायिक मजिस्ट्रेट को एक सप्ताह के प्रशिक्षण के लिए न्यायिक प्रशिक्षण व शोध संस्थान (जेटीआरआई) लखनऊ से संबद्ध करने का आदेश दिया है। कोर्ट ने 18 मार्च 2026 को पारित उनके आदेश को न्यायिक अनुशासनहीनता बताते हुए कहा कि इससे कानून की बुनियादी अवधारणाओं की समझ में कमी सामने आती है।

न्यायमूर्ति मनोज बजाज की एकल पीठ ने यह आदेश नागा की आपराधिक पुनरीक्षण याचिका पर दिया है। अधीनस्थ अदालत ने 25 सितंबर 2025 को नागा को दोषी ठहराया था। इसके खिलाफ दाखिल अपील को सत्र अदालत ने 18 मार्च 2026 को खारिज कर दोषसिद्धि बरकरार रखी। इसके बावजूद उसी दिन इंचार्ज न्यायिक मजिस्ट्रेट ने उसकी सजा 16 अप्रैल 2026 तक निलंबित कर दी, ताकि वह आगे अपील कर सके। जेल में बंद दोषी की ओर से अधिवक्ता ने यह मामला हाईकोर्ट के संज्ञान में लाया। 17 जुलाई को कोर्ट ने प्रथम दृष्टया माना कि अपीलीय अदालत के फैसले के बाद ट्रायल कोर्ट की सजा निलंबित करना उसके अधिकार क्षेत्र से बाहर था।

कोर्ट ने बीएनएसएस की धारा 430(3) का हवाला दिया। कहा कि ट्रायल कोर्ट सजा निलंबित कर सकता है, लेकिन इसके लिए उसे दोषी के अपील करने की मंशा से संतुष्ट होना जरूरी है।

संक्षिप्त

अभ्यर्थियों ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के घर का घेराव किया

लखनऊ,संवाददाता। 68500 सहायक अध्यापक भर्ती में आरक्षण की गड़बड़ी को सुधारने और राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के आदेश को लागू कराने के लिए अभ्यर्थियों ने आर–पार की लड़ाई छेड़ दी है। शुक्रवार को 'दस्तक दो अभियान' के तहत गुस्साए अभ्यर्थियों ने लखनऊ में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी के घर का घेराव किया। मौके पर भारी पुलिस बल तैनात रहा, लेकिन अभ्यर्थियों की नारेबाजी के आगे माहौल गरमा गया। तकरीबन 40 मिनट तक चले इस कड़े विरोध के बाद भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने खुद अभ्यर्थियों से मुलाकात की, उनका ज्ञापन लिया और उन्हें पानी–मिठाई खिलाकर शांत कराया। पंकज चौधरी ने बताया कि मामला हमारे संज्ञान में है। राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के आदेश का हर हाल में पालन होगा और किसी भी अभ्यर्थी के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। आंदोलन का नेतृत्व कर रहे अभ्यर्थी तूफान सिंह और आशुतोष वर्मा ने बताया कि भर्ती में आरक्षण नियमों की अनदेखी हुई थी। इसके खिलाफ अभ्यर्थी राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग पहुंचे थे। आयोग ने फैसला सुनाते हुए संबंधित विभाग को निर्देश दिया था कि ओबीसी वर्ग को आरक्षित श्रेणी मानते हुए 150 में से 60 अंक (यानी 40:) के आधार पर परिणाम दोबारा संशोधित किया जाए और योग्य अभ्यर्थियों को तुरंत नियुक्ति मिले। साथ ही गड़बड़ी करने वाले अधिकारियों पर कार्रवाई की जाए। अभ्यर्थियों का कहना है कि लंबा वक्त बीत जाने के बाद भी उनकी मांगें नही सुनी जा रही है। जिसके चलते उन्हें बार–बार सड़कों पर उतरना पड़ रहा है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष से मिले इस ठोस आश्वासन के बाद अब अभ्यर्थियों की नजरें शासन और शिक्षा विभाग की अगली कार्रवाई पर टिक गई हैं। आज के इस प्रदर्शन में नवीन चौध ारी, अखिल कुमार, नसीम, रंजना जायसवाल, शिववीर, उमेश गुप्ता, विनोद प्रजापति, प्रतिमा कुशवाहा समेत हजारों की संख्या में अभ्यर्थी मौजूद रहे।

आप कार्यकर्ताओं ने मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग

लखनऊ,संवाददाता। राजधानी में शुक्रवार को आम आदमी पार्टी (आप) ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। स्वास्थ्य भवन चौराहे पर कार्यकर्ता सड़क पर बैठकर नारेबाजी करने लगे। उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त पर वोट चोरी का आरोप लगाते हुए इस्तीफे की मांग की। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने विध ानसभा की ओर बढ़ने की कोशिश की। पुलिस ने उन्हें रोकने का प्रयास किया, तो धक्का–मुक्की शुरू हो गई। इसके बाद पुलिस प्रदर्शनकारियों को घसीटते हुए और टांगकर मौके से ले गई। इस दौरान आम आदमी पार्टी के व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष मनोज मिश्रा बेहोश हो गए। प्रदर्शन के बाद स्वास्थ्य भवन चौराहे पर पुलिस बल तैनात रहा। आप कार्यकर्ताओं ने स्वास्थ्य भवन चौराहे पर सड़क पर बैठकर नारेबाजी की। वे चुनाव प्रक्रिया में कथित गड़बड़ी और वोट चोरी का आरोप लगाते हुए विरोध कर रहे थे। प्रदर्शनकारियों की मांग थी कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार अपने पद से इस्तीफा दें। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने विधानसभा की ओर जाने की कोशिश की। पुलिस ने उन्हें आगे बढ़ने से रोका। इस दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच धक्का–मुक्की हुई। पुलिसकर्मियों ने प्रदर्शनकारियों को पकड़कर हटाया और घसीटते हुए व टांगकर वहां से ले गए। प्रदर्शन को देखते हुए स्वास्थ्य भवन चौराहे पर बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया था। पुलिस ने कार्यकर्ताओं को आगे बढ़ने से रोका। प्रदर्शन खत्म होने के बाद मौके पर स्थिति सामान्य करने के लिए पुलिस बल मौजूद रहा।

सई नदी में कूदा ग्राम प्रधान का पोता, एसडीआरएफ और गोताखोर तलाश में जुटे

लखनऊ,संवाददाता। राजधानी के बंथरा थाना क्षेत्र में शुक्रवार सुबह ग्राम प्रधान का 22 साल का बेटा सई नदी में कूद गया। लतीफ नगर गांव की प्रधान मालती शुक्ला का पोता आश्रय शुक्ला उर्फ कल्लू सुबह करीब 9 बजे घर से 200 मीटर दूर पुल पर पहुंचा और नदी में छलांग लगा दी। बताया जा रहा है कि आश्रय मानसिक रूप से कमजोर है। नदी के तेज बहाव में वह बह गया। अब तक उसका कोई सुराग नहीं मिला है। आश्रय के नदी में कूदने की खबर फैलते ही गांव में हड़कंप मच गया। ग्रामीणों ने परिवार और पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और एसडीआरएफ टीम को बुलाया गया। सूचना मिलने के करीब 5 घंटे बाद एसडीआरएफ टीम घटनास्थल पर पहुंची। आसपास के गांवों से गोताखोर भी बुलाए गए हैं। सभी नदी में आश्रय की तलाश कर रहे हैं। सरोजनीनगर के तहसीलदार जेपी सिंह भी घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने ग्रामीणों से बात की और युवक की तलाश के बारे में जानकारी ली। आश्रय के पिता अजय शुक्ला गांव में शुक्ला हार्डवेयर के नाम से दुकान चलाते हैं। परिवार में मां स्नेहलता और बड़ा भाई तरुण भी हैं।

युवक की ईंट–रॉड से पीटकर हत्या, शराब पार्टी के बाद हुई मारपीट

लखनऊ,संवाददाता। राजधानी में शराब पार्टी के दौरान हुए विवाद में एक युवक की हत्या कर दी गई। आरोप है कि उसके दोस्त ने ईंट और लोहे की रॉड से सिर पर कई वार किए। शुक्रवार सुबह युवक कमरे के बाहर घायल हालत में मिला। पुलिस उसे लोकबंधु अस्पताल ले गई, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। वारदात के बाद आरोपी फरार हो गया। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने चार टीमें गठित की हैं। मृतक की पहचान हरदोई जिले के टड़ियावां थाना क्षेत्र के गांव भोटा निवासी सुखपाल (28) के रूप में हुई है। वह पेंटर का काम करता था और पिछले करीब 10 साल से कनौसी में रह रहा था। वह गोलू पाल के प्लांट परिसर में बने कमरे में किराये पर रहता था। पुलिस के मुताबिक, शुक्रवार को दूरभाष पर सूचना मिली कि सुखपाल कमरे के बाहर घायल अवस्था में पड़ा है। पुलिस मौके पर पहुंची और उसे एम्बुलेंस से लोकबंधु अस्पताल भिजवाया। वहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि सुखपाल अपने दोस्त राजेश रावत उर्फ काली के साथ शराब पार्टी कर रहा था। इसी दौरान दोनों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया। आरोप है कि राजेश ने सुखपाल के सिर पर ईंट और लोहे की रॉड से हमला कर दिया। गंभीर चोट लगने से उसकी मौत हो गई। वारदात के बाद आरोपी मौके से भाग निकला। घटना की सूचना पर डीसीपी साउथ, एडीसीपी साउथ और एसीपी कृष्णानगर मौके पर पहुंचे।

सी.एम.पी. डिग्री कॉलेज में विशिष्ट व्याख्यान श्रृंखला के अंतर्गत प्राकृतिक विधि पर विशेष व्याख्यान आयोजित

इलाहाबाद विश्वविद्यालय के प्रो. डॉ. आदेश कुमार ने बी.ए. एलएल.बी. के विद्यार्थियों को 'प्रकृति के नियम' एवं 'प्राकृतिक विधि' के मध्य अंतर समझाया

प्रयागराज। सी.एम.पी. डिग्री कॉलेज, प्रयागराज के विधि विभाग के बी.ए. एलएल.बी. (ऑनर्स) पंचवर्षीय एकीकृत पाठ्यक्रम के अंतर्गत आज विशिष्ट व्याख्यान श्रृंखला के तहत एक ज्ञानवर्धक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य विषय विधिक दर्शन की आधारभूत अवधारणाएँ थीं। यह कार्यक्रम महाविद्यालय के प्राचार्य ''प्रो. डॉ. अजय प्रकाश खरे'' के दूरदर्शी मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। '''प्राकृतिक विधि का परिचयरू प्रकृति के नियम एवं प्राकृतिक विधि के मध्य अंतर''' विषय पर आयोजित इस विशेष व्याख्यान में इलाहाबाद विश्वविद्यालय के संकायाध्यक्ष, विधि संकाय ''प्रो. डॉ. आदेश कुमार'' ने मुख्य वक्ता के रूप में अपने बहुमूल्य विचार प्रस्तुत किए।

अपने व्याख्यान में प्रो. डॉ. आदेश कुमार ने प्राकृतिक विधि एवं प्रकृति के नियम के मध्य अंतर को विस्तारपूर्वक स्पष्ट किया। उन्होंने बताया कि प्राकृतिक विधि मानव–निर्मित विधिक व्यवस्थाओं के लिए नैतिक एवं दार्शनिक आधार प्रदान करती है, जबकि प्रकृति के नियम प्राकृतिक जगत को संचालित करने वाले वैज्ञानिक एवं भौतिक सिद्धांतों को संदर्भित करते हैं। उनके विद्वत्तापूर्ण व्याख्यान से विद्यार्थियों को विधिशास्त्र की

मूलभूत अवधारणाओं तथा उनकी व्यावहारिक प्रासंगिकता को समझने में सहायता मिली।

इस कार्यक्रम की ''परिकल्पना एवं आयोजन श्रीमती रेनू सिंह, समन्वयक, बी.ए. एलएल.बी. (ऑनर्स) पंचवर्षीय एकीकृत पाठ्यक्रम, विधि विभाग'' द्वारा किया गया। यह आयोजन विधि शिक्षा को समृद्ध बनाने तथा विद्यार्थियों को प्रतिष्ठित विधिवेत्ताओं एवं विद्वानों के साथ संवाद का अवसर प्रदान करने की दिशा में विभाग के निरंतर प्रयासों का हिस्सा था।

कार्यक्रम में ''प्रो. डॉ. अजय प्रकाश खरे, प्राचार्य, सी.एम.पी. डिग्री कॉलेज'', मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त विधि विभाग के संयोजक ''प्रो. शिव शंकर सिंह'' की गरिमामयी उपस्थिति भी रही।

व्याख्यान सत्र का संचालन विधि विभाग की संकाय सदस्य ''सुश्री निवेदिता कौंडिन्य'' ने किया। कार्यक्रम में संकाय सदस्य डॉ. प्रमोद कुमार, डॉ. अनुश्री पांडेय, श्री हिमांशु उपाध्याय, श्री विनय कुमार त्रिपाठी, श्री पीयूष कुमारेंद्र, श्री संदीप अग्रहरि एवं श्री प्रतीक श्रीवास्तव सहित बी.ए. एलएल.बी. के विद्यार्थियों ने सक्रिय सहभागिता की। व्याख्यान के अंत में विद्यार्थियों के साथ एक संवादात्मक प्रश्नोत्तर सत्र आयोजित किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने विधिशास्त्र की विभिन्न अवधारणाओं पर वक्ता के साथ विचार–विमर्श किया। अंत में ''श्रीमती रेनू सिंह, समन्वयक, बी.ए. एलएल.बी. (ऑनर्स) पंचवर्षीय एकीकृत पाठ्यक्रम'' ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। उन्होंने प्रो. डॉ. आदेश कुमार के प्रति उनके बहुमूल्य ज्ञान एवं मार्गदर्शन के लिए, प्राचार्य प्रो. डॉ. अजय प्रकाश खरे के प्रति उनके मार्गदर्शन एवं सहयोग के लिए तथा सभी संकाय सदस्यों एवं विद्यार्थियों के प्रति कार्यक्रम को सफल एवं शैक्षणिक दृष्टि से समृद्ध बनाने में उनके योगदान हेतु आभार व्यक्त किया।

ईश्वर शरण में दो दिवसीय युवा लेखक राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन

प्रयागराज। ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज, इलाहाबाद विश्वविद्यालय द्वारा Samajik Vimarsh Journal (Sage Publication) Council for Social Development, नई दिल्ली' एवं 'भारतीय समाजशास्त्रीय परिषद के त्ब–33 और त्ब–09' के संयुक्त सहयोग से दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला 'ष्युवा लेखक कार्यशालाष' का आयोजन प्रथम दिवस तीन सत्रों में किया किया ।उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि 'प्रो. के. एल. शर्मा (पूर्व प्रो–वाइस चांसलर, श्रछन)', अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य 'प्रो. आनंद शंकर सिंह ने की। कार्यक्रम में सम्मानित अतिथि'प्रो. अशोक पंकज (पूर्व निदेशक, ब्ैक)' एवं विशिष्ट अतिथि 'प्रो. आशीष सक्सेना (विभागाध्यक्ष, समाजशास्त्र, इविवि)' ने अपने विचार रखे। कार्यशाला के प्रथम दिवस प्रथम सत्र ष्शोध लेख का ढांचा एवं स्वरूपष विषय पर केंद्रित रहा जिसके मुख्य वक्ता वक्तारू प्रो. के. एल. शर्मा रहे। प्रोफेसर शर्मा द्वारा इस सत्र के अंतर्गत प्रतिभागियों को एक उत्कृष्ट शोध पत्र की संरचना – शीर्षक, सार, प्रस्तावना, साहित्य समीक्षा, शोध पद्धति, विश्लेषण और निष्कर्ष के बारे में विस्तार से बताया गया।

प्रथम दिवस की कार्यशाला

का द्वितीय सत्र का मुख्य विषय 'ष्सहभागियों द्वारा शोध प्रस्ताव का लेखनष' रहा। इस सत्र के मुख्य वक्तारू प्रो. अशोक पंकज जी थे ।इस सत्र में प्रतिभागियों ने अपने–अपने शोध प्रस्तावों का प्रारूप तैयार किया और विशेषज्ञों से उस पर चर्चा की। ।तृतीय एवं कार्यशाला के प्रथम दिवस का अंतिम सत्र का विषयरू सहभागियों द्वारा प्रस्तावित शोध लेख का प्रस्तुतीकरण था। इस सत्र के मुख्य वक्तागण

प्रो. के. एल. शर्मा एवं प्रो. अशोक पंकज जी थे। सत्र में युवा शोधार्थियों ने अपने शोध पत्रों का प्रस्तुतीकरण किया जिस पर विशेषज्ञों ने रचनात्मक सुझाव दिए ।कार्यशाला के प्रथम दिन में लगभग 50 से अधिक युवा शोधार्थियों, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवा लेखकों में अकादमिक लेखन के प्रति रुचि और गुणवत्ता विकसित करना है। कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत कार्यशाला के संयोजक डॉ विकास कुमार ने किया। कार्यक्रम का संचालन एवं विषय प्रवर्तन कार्यशाला के सहसंयोजक डॉ अरविंद कुमार मिश्रा ने एवं कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों एवं प्रतिभागियों का धन्यवाद ज्ञापन डॉ विवेक कुमार यादव ने किया। कार्यक्रम में इलाहाबाद विश्वविद्यालय एवं संगठन महाविद्यालय के संकाय सदस्य व अशोक छात्र तथा अन्य विश्वविद्यालयों की शोध छात्र उपस्थित रहे। इस अवसर पर महाविद्यालय के संकाय सदस्य प्रो रचना सिंह, डॉ मनोज कुमार दुबे, डॉक्टर रागिनी राय, डॉ शैलेश कुमार यादव, डॉ भगत नारायण महतो, डॉ गौरव राय एवं शोध छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

'नशा मुक्त युवा, विकसित भारत' थीम पर होगा युवा उत्सव

डीएम चंद्र प्रकाश सिंह ने व्यापक प्रचार-प्रसार के दिए निर्देश, लोकनृत्य, लोकगीत, नुक्कड़ नाटक, पेंटिंग और कविता लेखन की होंगी प्रतियोगिताएं

मथुरा। विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग–2027 के कल्चरल ट्रैक (युवा उत्सव) के जनपद स्तरीय आयोजन को लेकर जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समिति की बैठक हुई। इसमें डीएम ने कार्यक्रमों का व्यापक

प्रचार–प्रसार कराने और अधिक से अधिक युवाओं की सहभागिता सुनिश्चित करते हुए आयोजन को भव्यता से संपन्न कराने के निर्देश दिए। बैठक में जिला युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल अधिकारी विवेक चन्द्र श्रीवास्तव ने बताया कि युवा उत्सव में 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत' थीम पर लोकनृत्य, लोकगीत, नुक्कड़ नाटक, पेंटिंग और कविता लेखन प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। प्रतियोगिताओं के लिए पात्र युवाओं का माय भारत (डल ठींतंज) पोर्टल पर पंजीकरण कराते हुए उनकी प्रतिभागिता सुनिश्चित की जाएगी। प्रतियोगिताओं में आयु की गणना 17 अगस्त 2026 के आधार पर की जाएगी। इसके अनुसार 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग के युवा पात्र होंगे। आयोजन में न्यूनतम 30 प्रतिशत युवतियों की सहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए हैं। डीएम ने संबंधित अधिकारियों को विद्यालयों, महाविद्यालयों, विकास खंडों और युवा मंगल दलों के माध्यम से प्रतियोगिताओं का व्यापक प्रचार–प्रसार कराने के निर्देश दिए। इन माध्यमों से इच्छुक प्रतिभागियों की सूची प्राप्त कर युवाओं की भागीदारी बढ़ाई जाएगी। बैठक में जिला सूचना अधिकारी प्रशांत कुमार सुचारी, अपर जिला विद्यालय निरीक्षक यशपाल सिंह, माय भारत के ब्लॉक कोऑर्डिनेटर रमन चतुर्वेदी तथा भारत स्काउट एवं गाइड के कन्हैया शर्मा सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

सीएम योगी ने विश्व डाक दिवस पर नेताओं ने डाककर्मियों को दी बधाई

लखनऊ,संवाददाता। विश्व डाक दिवस के अवसर पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी समेत कई नेताओं ने देशवासियों और डाककर्मियों को शुभकामनाएं दीं। नेताओं ने भारतीय डाक व्यवस्था की विश्वसनीयता, सेवा भावना और देश के लोगों को जोड़ने में उसके योगदान की सराहना की। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर भारतीय डाक तंत्र के कर्मचारियों और प्रदेशवासियों को विश्व डाक दिवस की बधाई दी।

मौन का पहन आवरण

(छप्पय)

सबका बन आधार करे जो सेवा सबकी।
करो न अत्याचार समझकर उसको हलकी।
पर्वत का भी बोझ लिए काँधे पर अपने।
सागर को कर प्यार पूर्ण करती है सपने।
रे मानव! तजकर अहं पढ़ माटी के रूप को।
हरियाली के ही लिए सहती है जो धूप को।।

नदियों का संगीत मौन का पहन आवरण।
धरती से कर बात मृत्यु का लिखे व्याकरण।
पढ़कर भी इंसान विकासी घोड़ा चढ़ के।
हरियाली को रौद मनाता खुशियाँ जम के।
दिल, दौलत की छाँव में सूरज को कह चंद्रमा।
जीता है वह ख्वाब में समझ अमा को अर्यमा।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

प्रतियोगिता का आयोजन

रायबरेली। आरेडिका, रायबरेली में स्वच्छता एवं कार्यस्थल सुधार के लिए अंतर–शॉप प्रतियोगिता का आयोजन' 'स्वच्छता, सुव्यवस्थित कार्यस्थल, अपशिष्ट प्रबंधन एवं पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने की पहल'

आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना (आरेडिका), रायबरेली में स्वच्छता, कार्यस्थल की सुव्यवस्था, सुरक्षा एवं बेहतर कार्य संस्कृति को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से सभी शॉपों के मध्य अंतर–शॉप प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। इस पहल का उद्देश्य कारखाने में स्वच्छ एवं सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करने के

साथ–साथ 5 कार्यप्रणाली, प्रभावी अपशिष्ट प्रबंधन तथा कार्यक्षमता में सुधार को बढ़ावा देना है। इस प्रतियोगिता के अंतर्गत कारखाने की विभिन्न शॉपों में कार्यस्थल की साफ–सफाई, औजारों एवं उपकरणों का व्यवस्थित रखरखाव, अनावश्यक सामग्री का निस्तारण, शॉप के आसपास के क्षेत्रों की स्वच्छता, जल निकासी व्यवस्था तथा कबाड़ के उचित प्रबंधन का आकलन किया जाएगा। इसके साथ ही, अनुपयोगी सामग्री के पुनः उपयोग द्वारा उपयोगी वस्तुओं का निर्माण कर 'वेस्ट टू वेल्थ' की अवधारणा को भी प्रोत्साहित किया जाएगा। प्रतियोगिता में कार्यालयों की स्वच्छता, अभिलेखों का सुव्यवस्थित रखरखाव, फर्श की सफाई, धूल नियंत्रण तथा कूड़ेदानों के उचित उपयोग जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं को भी शामिल किया गया है। इससे कर्मचारियों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ने के साथ–साथ कार्यस्थल पर अनुशासन, सुरक्षा एवं उत्पादकता को भी प्रोत्साहन मिलेगा। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, नामित मूल्यांकन समिति द्वारा 15 अक्टूबर 2026 को विभिन्न शॉपों का निरीक्षण कर निर्धारित मानकों के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली शॉप को महाप्रबन्ध्धक द्वारा 'बेस्ट शॉप अवार्ड' एवं प्रशस्ति–पत्र प्रदान किए जाएंगे। आरेडिका की यह पहल स्वच्छता को दैनिक कार्यसंस्कृति का अभिन्न अंग बनाने, संसाधनों के बेहतर उपयोग तथा स्वच्छ, सुरक्षित और व्यवस्थित कार्यस्थल के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

महिला आयोग में शिकायतें दर्ज कराने की प्रक्रिया आसान बनाने के लिए ऐप तैयार करने की योजना

लखनऊ,संवाददाता। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग महिलाओं की शिकायतें दर्ज कराने की प्रक्रिया आसान बनाने के लिए अपना ऐप तैयार करने की योजना बना रहा है। इसके जरिए महिलाएं घर बैठे अपनी शिकायत आयोग तक पहुंचा सकेंगी। आयोग की अध्यक्ष डॉ. बबीता सिंह चौहान ने शुक्रवार को गोमतीनगर स्थित आयोग परिसर में मासिक समीक्षा बैठक की। बैठक में आयोग के अन्य सदस्य मौजूद रहे, लेकिन उपाध्यक्ष अपर्णा यादव नहीं पहुंचीं। डॉ. बबीता सिंह चौहान ने बताया कि आयोग का ऐप बनाने का उद्देश्य महिलाओं को शिकायत दर्ज कराने के लिए कार्यालय आने की परेशानी से बचाना है। फिलहाल महिलाएं ईमेल, व्हाट्सऐप, डाक और व्यक्तिगत रूप से अपनी शिकायतें भेज सकती हैं। ऐप बनने के बाद उन्हें शिकायत दर्ज कराने का एक और आसान माध्यम मिलेगा। आयोग की कोशिश होगी कि ऐप का इस्तेमाल केवल महिलाएं कर सकें, ताकि इस पर महिलाओं से जुड़ी समस्याएं और शिकायतें ही प्राप्त हों। आयोग अध्यक्ष ने बताया कि मुख्यमंत्री से मुलाकात के दौरान महिला हित से जुड़े विषयों पर मार्गदर्शन लिया जाता है। मुख्यमंत्री का अनुभव और उनके सुझाव आयोग के कामकाज को बेहतर बनाने में मदद करते हैं। उन्होंने कहा कि आयोग की हर मासिक बैठक में महिलाओं की सहायता के लिए कुछ नया करने की योजना बनाई जाती है, ताकि अधिक से अधिक जरूरतमंद महिलाओं तक मदद पहुंचाई जा सके। बैठक में पिछले महीने प्रदेशभर में आयोजित जनसुनवाई, वन स्टॉप सेंटर, महिला चिकित्सालयों, महिला बंदीगृहों और कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालयों के निरीक्षण की रिपोर्ट की समीक्षा की गई। विभिन्न जिलों से मिली शिकायतों, महिला सुरक्षा और संस्थानों में उपलब्ध सुविधाओं पर चर्चा हुई। जिन मामलों में कार्रवाई की जरूरत महसूस हुई, उनमें संबंधित विभागों को पत्र भेजने के निर्देश दिए गए। बैठक में शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने और महिला कल्याण से जुड़ी योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करने पर जोर दिया गया। साथ ही आगामी माह के कार्यक्रमों और महिलाओं के हित में प्रस्तावित गतिविधियों की रूपरेखा पर भी विचार–विमर्श हुआ। इस दौरान आयोग की उपाध्यक्ष चारु चौधरी सहित हिमानी अग्रवाल, सुनीता श्रीवास्तव, पूनम द्विवेदी, अनीता गुप्ता, अनुपमा सिंह लोधी, गीता बिंद, गीता विश्वकर्मा, पुष्पा पांडेय, मीनाक्षी भराला और ऋतु शाही समेत अन्य सदस्य मौजूद रहे। बैठक के अंत में सदस्य सचिव रेणु तिवारी ने सभी पदाधिकारियों और अधि ाकारियों का आभार जताया।

सम्पादकीय.......

पाक जासूसी का संजाल

यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि कुछ भारतीय चंद रुपयों व अनियंत्रित काम लिप्साओं के चलते राष्ट्रद्रोही गतिविधियों में लिप्त पाये जाते हैं। ये मामले यदि सेना के अंगों में सामने आते हैं तो मामला बेहद संगीन हो जाता है। आखिर वह क्या मजबूरी है कि कुछ लोग नैतिकता–राष्ट्रभक्ति को ताक पर रख दुश्मन देश को संवेदनशील जानकारी देने लगते हैं। देश में अक्सर ऐसे मामले सामने आते हैं जब पाकिस्तान की तरफ से महिलाओं के जरिये जवानों को हनी ट्रैप में फंसाया गया हो। कुछ के खिलाफ कार्रवाई भी हुई, लेकिन ये सिलसिला थमा नहीं है। पिछले दिनों एक बार फिर पाकिस्तानी साजिश से चल रहे एक बड़े जासूसी नेटवर्क का भंडाफोड़ हुआ है। यह जासूसी नेटवर्क भारतीय नौसेना के ईस्टर्न नेवल कमांड को निशाना बना रहा था। इस गहरी साजिश के पकड़ में आने के बाद हुए खुलासे ने देश की सुरक्षा के लिये खतरे की घंटी बजा दी है। यह संगीन मामला बताता है कि देश की राष्ट्रीय सुरक्षा को न सिर्फ आधुनिक तकनीक से, बल्कि इंसान की चारित्रिक दुर्बलताओं से भी बड़ा खतरा है। पाकिस्तानी सेना व खुफिया एजेंसियों का यह संजाल कितना बड़ा था, वह इस बात से पता चलता है कि आंध्र प्रदेश काउंटर इंटेलिजेंस सेल ने नेवल इंटेलिजेंस, एंटी– टेररिज्म स्कवॉड और 10 राज्यों की पुलिस के साथ मिलकर यह 'ऑपरेशन फायरवॉल' चलाया। व्यापक छानबीन के बाद इस ऑपरेशन में 18 संदिग्धों की पहचान की गई। दुर्भाग्य की बात यह है कि इसमें शामिल लोगों में से 13 नौसेना के कर्मचारी थे। दरअसल, पाकिस्तान की तरफ से जासूसी की साजिश आधुनिक व डिजिटल तकनीक के जरिये अंजाम दी गई। पाकिस्तानी इंटेलिजेंस के लोग फर्जी पहचान का इस्तेमाल करते थे। वे फेसबुक आदि सोशल मीडिया प्लेटफार्म के जरिये महिलाओं के तौर पर बात करते थे। ये कथित महिलाएं नौसेना के जवानों को मोहपाश में बांधकर फेसबुक से व्हाट्सएप तक ले जाती थीं। फिर इनकी कमजोर नस पर हाथ रखकर या भयादोहन करके नौसेना की संवेदनशील जानकारी जुटाई जाती थी। आरोप है कि फेसबुक पर सुंदर महिलाओं की फोटो लगाकर, निजी बातचीत करके, रोमांटिक बातों से लुभाकर, वीडियो कॉल और पैसों का लालच देकर लोगों को जाल में फंसाया जाता था। फिर ट्रैप में फंसे लोगों को लालच या भय दिखाकर– नेवी के जहाजों, पनडुब्बियों, कमांडरों और संवेदनशील ठिकानों के बारे में जानकारी जुटाने की कोशिश की जाती थी। इस साजिश में भारतीय सिम कार्ड, चोरी किए गए या शेयर किए गए व्हाट्सएप एक्टिवेशन ओटीपी और क्रिप्टोकरेंसी से पेमेंट का इस्तेमाल किया जाना बताता है कि जासूसी का नेटवर्क बेहद शातिर और व्यवस्थित तरीके से चलाया जा रहा था। उल्लेखनीय है कि हमारी सुरक्षा के लिये तैनात चंद काली भेड़ें पाकिस्तान के जासूसी संजाल में फंसकर राष्ट्रीय हितों पर कुठाराघात कर रही थीं। गाहे–बगाहे ऐसे मामले समाचारों की सुर्खियों में नजर आते रहते हैं। वर्ष 2019 में, 'ऑपरेशन डॉल्फिन नोज' ने पाकिस्तान से संचालित ऐसे ही रैकेट का पर्दाफाश किया था। इस जासूसी नेटवर्क की नजर ईस्टर्न नेवल कमांड पर थी। निस्संदेह, ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति यह बताती है कि काउंटर–इंटेलिजेंस का काम सिर्फ गिरफ्तारियों से ही पूरा नहीं हो जाता है। यह पता लगाना भी जरूरी है कि सुरक्षा बलों के ट्रेंड लोग हनी ट्रैप और पैसों के लालच में कैसे फंस जाते हैं? हाल ही में जासूसी नेटवर्क के भंडाफोड़ होने के बाद डिजिटल सर्विलांस, इंटेलिजेंस शेयरिंग, कई राज्यों में मिलकर किए गए ऑपरेशन और जब्त किए गए डिवाइसों की फॉरेंसिक जांच से जांचकर्ताओं को नेटवर्क का पता लगाने और उसके कम्युनिकेशन और पैसों के लेन–देन के लिंक को समझने में मदद मिली है। यह निर्विवाद सत्य है कि सिर्फ टेक्नोलॉजी से ही हमारी सुरक्षा सुनिश्चित नहीं हो सकती। सशस्त्र बलों को साइबर सुरक्षा के नियमों को मजबूत करना होगा। बिना किसी संकोच के संदिग्ध ऑनलाइन संपर्क की निगरानी के तरीके अपनाने होंगे। निश्चित रूप से राष्ट्रीय सुरक्षा सिर्फ बेस और नेटवर्क की सुरक्षा पर निर्भर नहीं करती बल्कि यह समझने पर भी निर्भर करती है कि सुरक्षा में पहली सेंध शायद सुरक्षा बलों के जवानों से एक सामान्य बातचीत या दोस्ती के अनुरोध से भी लग सकती है।

लोकतंत्र का स्वाद चखते मोदी-शाह

डॉ. दीपक पाचपोर

राहुल गांधी और प्रियंका गांधी को पुलिस ने शाम तक गिरफ्तार किया, लेकिन देर रात छोड़ना भी पड़ा। इसके बाद मोदी–शाह ने शायद मान लिया था कि अब कुछ वक्त तक इंडिया के सांसद शांत बैठेंगे।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह की जुबान पर सत्ता का स्वाद चढ़ा हुआ है, लेकिन अब इंडिया गठबंधन ने इन दोनों सत्ताधीशों को लोकतंत्र का स्वाद अच्छे से चखा दिया है। मंगलवार को इंडिया के सांसदों का चुनाव आयोग तक प्रदर्शन मार्च तो बीच में ही रोक दिया गया और तमाम सांसदों को हिरासत में लिया गया। राहुल गांधी और प्रियंका गांधी को पुलिस ने शाम तक गिरफ्तार किया, लेकिन देर रात छोड़ना भी पड़ा। इसके बाद मोदी–शाह ने शायद मान लिया था कि अब कुछ वक्त तक इंडिया के सांसद शांत बैठेंगे। आखिर विपक्ष के 250–300 सांसदों को बार–बार इकत्रद्द तो नहीं किया जाएगा, वह भी तब जब संसद सत्र न चल रहा हो। लेकिन मोदी–शाह की सोच के विपरीत बुधवार को मल्लिकार्जुन खड़गे ने तमाम सांसदों को दिल्ली में सागर रत्ना नाम के दक्षिण भारतीय व्यंजनों के लिए मशहूर रेस्तरां में दोपहर के भोजन पर आमंत्रित कर लिया। भाजपा ने इसका भी मजाक उड़ाया कि क्या राहुल को पता नहीं कि सागर रत्ना शुद्ध शाकाहारी व्यंजन ही परोसता है। दरअसल मंगलवार को आकाशवाणी परिसर में जब राहुल गांधी ने खान चाचा का चिकन रोल खाया था, तो उस पर भाजपा ने खूब ट्रोल किया था कि राहुल ने नॉनवेज रोल खाया। बहरहाल, शाकाहारी और मांसाहारी भोजन के चयन पर अपना समय बिताती भाजपा ने इस बात पर ध्यान ही नहीं दिया कि भोजन की मेज पर केवल भोजन ही नहीं होता है, महत्वपूर्ण रणनीतियां भी बनती हैं। खड़गे जी ने विपक्षी सांसदों के साथ अंताक्षरी खेलने के लिए भोज पर जाने का फैसला नहीं लिया था, बल्कि वहां फिर से तय किया गया कि किस तरह चुनाव आयोग तक पहुंचा जाए। जंतर–मंतर और चुनाव आयोग के दफ्तर से कुछ ही दूरी पर स्थित सागर रत्ना से निकलते ही तमाम सांसद कुछ बसों में सवार हुए और फिर उस तरफ बढ़ चले जहां से एक रास्ता चुनाव आयोग को जाता है और दूसरा जंतर–मंतर को। दिल्ली पुलिस के लिए एक बार फिर चुनौती खड़ी हो गई कि अब इन्हें कैसे और कहां तक रोके। इन पंक्तियों के लिखे जाने तक एक बार फिर राहुल गांधी को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है, लेकिन युवा कांग्रेस और एनएसयूआई के कार्यकर्ताओं ने पुलिस बस को इस तरह घेर लिया है कि वो राहुल को कहीं ले जा न सके। इससे पहले जब बाकी सांसदों और कार्यकर्ताओं को पुलिस हिरासत में ले रही थी और राहुल गांधी पर पीछे हटने का दबाव डाल रही थी तो प्रियंका गांधी कुछ अन्य महिलाओं के साथ वहीं सड़क पर लेट गई थीं। पुलिस के अलावा रैपिड एक्शन फोर्स के जवान भी बड़ी तादाद में तैनात किए गए थे। विपक्षी सांसदों, उनके समर्थकों, कार्यकर्ताओं और पुलिस की मौजूदगी से लुटियन्स दिल्ली के इस अहम इलाके में इतनी ज्यादा भीड़ इकत्रद्दी हो चुकी थी कि कभी भी कुछ भी अनहोनी हो सकती थी। मोदी–शाह की नजर में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष, राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष और तमाम विपक्षी सांसदों की जान की कोई कीमत नहीं है, यह बात एक बार फिर जाहिर हुई। मंगलवार की जगह बुधवार को भी दिल्ली पुलिस ने राहुल गांधी को कई बार जबरदस्ती रोकने की कोशिश की, ठीक ऐसा ही व्यवहार उनके साथ तब भी हुआ था जब जुलाई में वे प्रधानमंत्री आवास के सामने पहुंच गए थे। राहुल गांधी को जेड प्लस सिक्योरिटी मिली हुई है, यानी कम से कम 50–55 जवानों का घेरा उनके इर्द–गिर्द होना ही चाहिए। लेकिन जब दिल्ली पुलिस उन्हें घेरती है, तो यह घेरा कहां चला जाता है और किसके इशारे पर चला जाता है, इसका जवाब अमित शाह को देना चाहिए। हालांकि राहुल गांधी अपनी जान की परवाह न करके पहले लोकतंत्र बचाने की परवाह कर रहे हैं, इसलिए लगातार सड़क पर उतर रहे हैं। और जिन लोगों के हाथों में सत्ता है, वे मोदी–शाह लगातार संविधान के खिलाफ काम कर रहे हैं। शांतिपूर्ण प्रदर्शन में बाधा डालना ऐसा ही एक काम है। विपक्षी सांसद केवल ज्ञानेश कुमार से मिलना ही तो चाहते हैं, इसमें कुछ असंवैधानिक नहीं है। लेकिन ज्ञानेश कुमार तो इस समय न जाने कहां छिपे बैठे हैं। उनका छत्तीसगढ़ दौरा भी रद्द कर दिया गया, इससे पहले भी उनके कुछ और राज्यों के दौरे रद्द हो चुके हैं। जब देश का मुख्य चुनाव आयुक्त छिप कर बैठ जाए, जब प्रधानमंत्री अपने प्रचार में लगे रहें, गृहमंत्री कानून व्यवस्था पर मुंह न खोलें तो फिर जनता को समझ जाना चाहिए कि किन हाथों से लोकतंत्र को असली खतरा है। वैसे इस समय सवाल दिल्ली पुलिस पर भी उठ रहे हैं कि वह संविधान और कानून के हिसाब से न चलकर अमित शाह के हिसाब से क्यों चल रही है। संविधान के अनुच्छेद 19(1)(ए) में हर नागरिक को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता मिली है। शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन का अधिकार संविधान के इसी अनुच्छेद में निहित है और लोकतंत्र में इसे बहुत ही अहम माना गया है। लेकिन फिर भी दिल्ली पुलिस इस अधिकार को कुचल रही है। भारत के पूर्व गृह सचिव और मोदी सरकार में मंत्री रहे आरके सिंह ने एक्स पर लिखा है, भारतीय संविधान के अनुच्छेद 19 के अंतर्गत शांतिपूर्वक और बिना हथियारों के प्रदर्शन करना या जुलूस निकालना नागरिकों का मौलिक अधिकार है। पुलिस दिल्ली के जंतर–मंतर पर प्रदर्शन से क्यों रोक रही है? आईएएस और आईपीएस संविधान और कानून के अनुसार काम करने की शपथ लेते हैं। दिल्ली पुलिस को इसी हिसाब से काम करना चाहिए न कि किसी नेता के अवैध आदेश के अनुसार। जिसे भी संविधान की समझ होगी वह ऐसी ही तार्किक बात करेगा, लेकिन मोदी–शाह के राज में तर्कों को लगातार कुचला ही जा रहा है।

मोदी अब कभी नहीं पूछेंगे कौन राहुल

सर्वमित्रा सुरजन

एक बार नरेन्द्र मोदी ने अहंकार में पूछने की हिमाकत कर ली कि कौन राहुल, लेकिन अब भूल से भी कभी पूछने का दुस्साहस नहीं करेंगे। उन्हें और पूरे संघी–भाजपाई कुनबे को समझ आ ही चुका है कि कौन राहुल। मंगलवार को एक–दो नहीं छह–छह बार भाजपा को अपने उन प्रवक्ताओं को प्रेस के सामने लाना पड़ा, जो बदजुबानी और कुतर्क करने के लिए ख्यात हैं। क्योंकि इंडिया गठबंधन के सांसदों का संसद से चुनाव आयोग तक पहुंचने के लिए निकाला गया मार्च इस कदर द राहुल गांधी शो में तब्दील हो जाएगा, इसकी कल्पना भाजपा को नहीं थी। पहले तो राहुल गांधी का बैरिकेड पर चढ़कर वहीं से भाजपा के समूचे तंत्र को चुनौती देना कि इस किस्म की तानाशाही देश में चलने नहीं देंगे, फिर राहुल गांधी का प्रियंका गांधी समेत कई और सांसदों के साथ आकाशवाणी के भीतर चले जाना, वहीं बरगद के पेड़ के नीचे बैठना, भूख लगी तो खान चाचा से मंगाया हुआ रोल खाना, कुछ घंटे गुजर जाने के बाद पेड़ के नीचे चटाई बिछाकर बैठना, बीच में मीडिया के जरिए संदेश देना कि हम भाजपा और ज्ञानेश कुमार को बख्शेंगे नहीं, फिर देर शाम राहुल को जबरन हिरासत में लेती दिल्ली पुलिस, उनका अहिंसक विरोध दर्ज करते हुए बस की खिड़की से बाहर निकलने की कोशिश करना, किंग्सवे कैंप में राहुल को कैद रखना और प्रियंका गांधी का ऊंचे गेट पर चढ़कर उसे खोलना और फिर रात ग्यारह बजे के आसपास राहुल का हाथ में संविधान की किताब दिखाते हुए रिहा होना, यह सब एक नहीं हजारों–लाखों–करोड़ों आवाजों का चीख–चीख कर बताना है कि कौन हैं राहुल, कहां से मिली है उन्हें संघर्ष और प्रतिरोध की ऐसी ताकत। अब भाजपा प्रवक्ता इस झूठ को सौ बार भी क्यों न बोल लें कि राहुल गांधी को लॉन्च करने के लिए यह सब विरोध का नाटक हो रहा है, कि राहुल गांधी चुनाव चोरी पर झूठ बोल रहे हैं, कि ज्ञानेश कुमार ने भाजपा को जिताने के लिए कोई हेरा–फेरी नहीं की, अब जनता भाजपा की बात को न सुन रही है, न मान रही है। कुछेक पत्रकार अब भी किन्तु–परन्तु करते हुए राहुल गांधी को गलत और नरेन्द्र मोदी–ज्ञानेश कुमार को सही साबित करने में लगे हैं, लेकिन वो भी जानते हैं कि भाजपा ज्यादा वक्त तक उनकी जेब भारी नहीं रख पाएगी।

मंगलवार को राहुल गांधी ने संसद से आकाशवाणी तक का कुछ सौ मीटर का फासला ही तय नहीं किया, देश के राजनैतिक माहौल को 360 डिग्री घुमा दिया। नरेन्द्र मोदी तो अपने सार्वजनिक जीवन के 25 साल, सेवा ही संकल्प और ऐसे ही न जाने कितने जुमलों के साथ तैयार बैठे थे कि पूरे देश में प्रचार का फिर से मौका मिलेगा। लेकिन उन पर बेचारगी ऐसी टूटी कि अखबारों के फ्रंट पेज पर विज्ञापनों में तो मोदी दिखे, लेकिन खबरों में राहुल गांधी का प्रदर्शन ही छाया रहा। मोदी ने दिल्ली के सरोजिनी नगर में श्री विनायक मंदिर में पुजारी के साथ पूजा करते हुए अपना वीडियो भी बनवाया। लेकिन उस वीडियो में भी नजर आ गया कि एक सामने से शॉट लिया गया, एक ऊपर से, एक भगवान की मूर्ति के पीछे से ताकि मोदी पूरी तरह फ्रेम में आएं, क्लोजअप शॉट, स्लो मोशन शॉट सब अच्छे से लेकर वीडियो में डाले गए। इस तरह पूजा करते हुए मोदी की अच्छी पिक्चर बन गई। वो तो पुजारी को साथ रखना मजबूरी रही होगी, वर्ना मोदी अपने साथ किसी और फ्रेम में बर्दाश्त नहीं करते हैं। लेकिन इस सबके बावजूद मोदी की फिल्म फ्लॉप ही रही। एक तो यही हास्यास्पद बात लगी कि आप इस बात की खुशी मना रहे हैं कि सार्वजनिक जीवन के 25 साल पूरे हुए। 7 अक्टूबर 2001 को मोदी पहली बार मुख्यमंत्री बने थे तो अब उसी का ढोल पीटा जा रहा है। आज तक किसी नेता, मंत्री, मुख्यमंत्री, प्रधानमंत्री को ऐसा करते हुए नहीं देखा गया। लेकिन मोदी के मन में प्रचार की भूख नहीं, एक अंधा कुआं है, जिसमें जितने फुटेज डालो, वो सब पचा जाते हैं। अभी कुछ समय पहले सबसे ज्यादा वक्त प्रधानमंत्री रहने का भी जश्न मनाया था, वो भी झूठ की बुनियाद पर, क्योंकि नेहरूजी जितना लंबा कार्यकाल तो मोदी का नहीं हुआ है। अब 25 साल पद पर रहने की खुशी मनाई जा रही थी, उसमें भी रंग में भंग पड़ गया। क्योंकि चुनाव चोरी का कच्चा–चिठ्ठा खुलने लगा है। जंतर–मंतर पर तो वोट चोरी के खिलाफ आंदोलन लगातार चल ही रहा है। 10 अक्टूबर को कॉकरोच जनता पार्टी भी एक नया आंदोलन यहीं से शुरु करेगी। लेकिन उससे पहले छह अक्टूबर को इंडिया गठबंधन के सांसद संसद भवन से चुनाव आयोग तक मार्च निकालेंगे यह फैसला 30 सितंबर की बैठक में ही सुना दिया गया था। भाजपा को लगा था कि हमेशा की तरह सांसदों को कुछ दूर चलते ही पुलिस हिरासत में लिया जाएगा, वो सब बस में बैठकर मीडिया के जरिए अपने विरोध को जारी रखने का संदेश देंगे, और फिर आधे एक घंटे के बाद सब कुछ सामान्य हो जाएगा। इस विरोध की खबरें भी मैनेज कर ली जाएंगी और जनता यही देखकर इत्मीनान कर लेगी कि विरोध–प्रदर्शन हो रहे हैं, मतलब लोकतंत्र को मोदी ने अभी पूरी तरह मारा नहीं है। लेकिन राहुल गांधी ने तो बिल्कुल नए अंदाज में विरोध करके दिखा दिया। जैसे आजादी की लड़ाई के दौरान ब्रिटिश सरकार आंदोलनकारियों के तौर–तरीकों को समझ ही नहीं पाती थी, वैसा ही हाल मोदी सरकार का हो गया। राहुल गांधी के विरोध को दर्शाते हुए इंस्टाग्राम पर ढेरों रील्स बन चुकी हैं, लाखों–करोड़ों लोग इन्हें देख रहे हैं, पसंद कर रहे हैं, शेयर कर रहे हैं। जिस जेन जी की जुबान बोलने में मोदी उलझे और फंसे दिखते हैं, वो जेन जी राहुल को अपने नए आइकन की तरह दिखा रही है। कौन राहुल के बाद मोदी ने राहुल की उम्र पर भी तंज कसा था कि मैं किसी 56 साल के युवा की बात नहीं कर रहा हूं, लेकिन अब उन्हें ये भी समझ आ रहा होगा कि राहुल को उम्र की सीमा से परे जाकर जेन जी ने अपना लिया है। दरअसल राहुल गांधी इस समय पूरे देश में छाए हुए हैं। जो मीडिया राहुल गांधी की खबरों को दिखाता ही नहीं था, अब उसे भी राहुल से जुड़ी सारी खबरें देनी ही पड़ रही हैं। राहुल गांधी कोई बड़े से बड़ा बयान दें, या कोई काम करें, न्यूज चौनल वाले तो उनका नाम लेना भी हराम समझते थे और प्रिंट मीडिया में भी कहीं ओने–कोने में राहुल के बारे में चार–छह लाइन की खबर मजबूरी में दी जाती थी। भारत जोड़ो आंदोलन जैसा बड़ा काम राहुल गांधी ने किया, इतनी लंबी पदयात्रा आजाद भारत में किसी नेता ने नहीं की, लेकिन फिर भी राहुल गांधी को कवरेज न दिया जाए, इसका हुक्म सत्ता में बैठे लोगों ने अपने पालतू मीडिया को दे दिया था। भारत जोड़ो यात्रा को उपेक्षित करना मुश्किल हुआ तो फिर उसमें जबरदस्ती नकारात्मकता ढूंढ–ढूंढ कर खबरें दी गईं।

इसके बाद भी राहुल गांधी के साथ जनता जुड़ती रही तो फिर भारत जोड़ो यात्रा का असर चुनाव परिणाम तक ही सीमित कर दिया गया कि कितना भी देश नाप लिया, चुनाव में तो फिर भी हार गए। बात सही भी है कि हजारों किलोमीटर तक लोकतंत्र और संविधान बचाने, देश की आत्मा को बचाने के लिए राहुल गांधी पैदल चले लेकिन फिर भी 2024 के आम चुनाव में जीत नहीं मिली और फिर कई विधानसभा चुनावों में भी कांग्रेस बुरी तरह हारी। ये और बात है कि अब उस हार के असली कारण निकल कर सामने आ रहे हैं और भाजपा इस सच्चाई का सामना नहीं कर पा रही है। पूरे देश में इस समय चुनाव चोरी के खिलाफ जबरदस्त गुस्से का माहौल बन गया है। राहुल गांधी इस गुस्से को रचनात्मक विरोध में बड़ी खूबसूरती से गूंथते हुए लोकतंत्र और संविधान बचाने निकल पड़े हैं।

भारत में ईसाई संगठन अपने खिलाफ बढ़ती हिंसा को लेकर चिंतित

आशीष विश्वास

नवंबर में, भारत सरकार और सत्ताधारी भाजपा नेतृत्व वाली एनडीए सरकार को एक और मुश्किल कूटनीतिक दौर का सामना करने के लिए तैयार रहना होगा, क्योंकि भारत में कई ईसाई संगठन 29 तारीख को नई दिल्ली में एक बड़ा सम्मेलन करने की योजना बना रहे हैं। भारत में ईसाई समुदाय के नेताओं का मकसद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस बात की ओर ज्यादा ध्यान दिलाना है कि हाल के वर्षों में उन्हें निशाना बनाकर की जाने वाली धार्मिक हिंसा में चिंताजनक बढ़ोतरी हुई है। आधिकारिक तौर पर, ईसाई चर्च केंद्र सरकार से आत्मनिर्भर, प्रगतिशील और एकजुट भारत की अपील कर रहा है, साथ ही पूर्वोत्तर भारत (खासकर मणिपुर) में भीड़ और जातीय हिंसा में बढ़ोतरी के प्रति सरकार की कथित उदासीनता की आलोचना भी कर रहा है। समुदाय के नेताओं के अनुसार, भारत के संघीय नेताओं ने अल्पसंख्यकों की समस्या से आंखें मूंद ली हैं। भारत में कुछ अन्य (खासकर इस्लामी!) समूहों के विपरीत, ईसाई नेता राज्य और केंद्र स्तर पर स्थापित सरकारों के साथ बातचीत में ज्यादा संयमित भाषा का इस्तेमाल करते हैं। वे अपनी बात सार्वजनिक रूप से रखने में भी ज्यादा सावधानी बरतते हैं। यह रवैया, उदाहरण के लिए, हाल ही में संयुक्त राष्ट्र आमसभा सत्र में भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर से सवाल पूछते समय एक पाकिस्तानी पत्रकार द्वारा अपनाए गए आक्रामक और अभद्र व्यवहार से बिल्कुल अलग है। पूर्वोत्तर भारत के कैथोलिक बिशप (एनईआईआरबीसी) के तर्कों के केंद्र में धर्म से जुड़ी हिंसा का बढ़ता स्तर है। इस संगठन के सदस्य मणिपुर के अशांत इलाकों का दौरा कर रहे हैं और समुदाय के नेताओं, आम लोगों के साथ–साथ पूर्वोत्तर के अन्य राज्यों के स्थानीय मंत्रियों और अधिकारियों से भी मिल रहे हैं। 2014 में, पूर्वोत्तर क्षेत्र में भीड़ की हिंसा, घात लगाकर किए गए हमलों या भीड़ध्समूह के हमलों में 139 लोग मारे गए थे। 2024 तक, ऐसे पीड़ितों की संख्या – जिनमें ज्यादातर गैर–हिंदू ईसाई थे – बढ़कर 834 हो गई। 2014–2024 के दौरान, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) केंद्र में सत्ता में रही है और उसने इस क्षेत्र में कुछ राज्य विधानसभा चुनाव भी जीते हैं। जानकारी के लिए बता दें कि पूर्वोत्तर भारत में ज्यादातर ईसाई और मुस्लिम भाजपा को दक्षिणपंथी कट्टरपंथी पार्टी मानते हैं। हाल ही में, एक नई समस्या पैदा हुई है जिसने पहले से ही तनावपूर्ण और असहज अंतर–जातीय संबंधों को और जटिल बना दिया है। नागा और कुकी–जो समुदाय– जो दोनों ईसाई हैं – अच्छी तरह से हथियारों से लैस कार्यकर्ताओं द्वारा किए गए कई सामूहिक हमलों, घात लगाकर किए गए हमलों और अपहरण की घटनाओं के शिकार हुए हैं। संगठित हिंसा की ऐसी घटनाओं के कारण कम से कम 35–40 लोगों की मौत हो चुकी है, मुख्य रूप से मणिपुर में। ज्यादातर झड़पें स्थानीय क्षेत्र पर वर्चस्व के लिए कभी न खत्म होने वाली लड़ाई को लेकर हुई हैं, जिसमें दोनों समूह शामिल हैं। स्वाभाविक रूप से, ईसाई समुदाय के नेताओं ने अपने ही धर्म के लोगों द्वारा एक–दूसरे की हत्या करने– यानी आपसी हिंसा– पर गहरी चिंता जताई है। यह ऐसे समय में हो रहा है जब कुकी–जो आदिवासी पहले से ही मणिपुर में बहुसंख्यक मैतेई (गैर–ईसाई) जनजाति के साथ सशस्त्र विवाद में उलझे हुए हैं। उनकी सार्वजनिक अपील का लहजा बिल्कुल सही हैरू किसी को भी, खासकर ईसाइयों को, विवादों या शिकायतों आदि को सुलझाते समय हिंसा का सहारा नहीं लेना चाहिए। हिंसक टकराव में कभी कोई नहीं जीतता। इसका एकमात्र दीर्घकालिक परिणाम प्रमुख समुदायों के बीच स्थायी दुश्मनी और अविश्वास होता है जो पीढ़ियों तक बना रहता है! जब ऐसी घटनाएं हों तो केंद्र और राज्य अधिकारियों को भी अधिक प्रभावी ढंग से हस्तक्षेप करना चाहिए, समुदाय के नेताओं की तो बात ही क्या? इस बात से इन्कार नहीं किया जा सकता है कि जब इस क्षेत्र में सुशासन बनाए रखने की बात आती है तो संबंधित राज्य और केंद्र सरकारों के लिए अपना बचाव करना मुश्किल होगा। एनडीए सरकार को यह जवाब देना होगा और बताना होगा कि 3 मई, 2023 को मणिपुर में कुकी और मैतेई समुदायों के बीच भड़की जातीय हिंसा में 300 से ज्यादा लोग कैसे और क्यों मारे गए। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, कम से कम 60,000 लोग बेघर हो गए, 49 लोग लापता हैं, और सैकड़ों घरोंध्दफ्तरों के साथ–साथ 300 से ज्यादा धार्मिक स्थलों (जिनमें 250 चर्च शामिल हैं) में तोड़–फोड़ की गई। फिलहाल, मणिपुर और पड़ोसी राज्यों के कुछ हिस्सों में शांति की एक नाजुक स्थिति बनी हुई है। मैतेई नेता बीरेन सिंह के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार उम्मीद के मुताबिक काम नहीं कर पाई, लेकिन उन्हें बदलने में हुई भारी देरी के बावजूद हालात में कोई खास सुधार नहीं हुआ है! हालांकि, ईसाई नेताओं ने भी हालात सुधारने के लिए कोई असरदार या ठोस प्रस्ताव पेश नहीं किए हैं, जैसा कि उन्होंने कहा था। नागा और कुकी समुदायों के बीच झड़पें यह दिखाती हैं कि वे अपने समर्थकों को काबू में रखने में नाकाम रहे हैं। इसके अलावा, कुछ इलाकों में वे स्थानीय प्रशासन के साथ हमेशा सहयोग भी नहीं करते हैं। उदाहरण के लिए, कुछ समय पहले भारत सरकार ने मिजोरम के आदिवासी अधिकारियों से अपील की थी कि वे म्यांमार में जारी जातीय हिंसा के कारण भागकर आ रहे कुकी लोगों को शरण न दें कृ कुछ मामलों में सिर्फ आपातकालीन मदद ही दी जा सकती थी। मिजोरम के आदिवासी अधिकारी इस बात से सहमत नहीं हुए। उन्होंने बताया कि मिजो और कुकी दोनों समुदायों के रिश्तेदार म्यांमार में रहते हैं, इसलिए उन्हें वापस नहीं भेजा जा सकता। म्यांमार से विस्थापित हुए लगभग 30,000 से ज्यादा लोग मिजो अधिकारियों द्वारा चलाए जा रहे खास सेंटरों या कैंपों में रह रहे हैं, लेकिन उनकी स्थिति अभी भी तय नहीं है। स्थानीय मिजो लोग, कुछ पूर्वोत्तर निवासियों और अंतरराष्ट्रीय ईसाई संगठनों की मदद से उन्हें आर्थिक और दूसरी तरह की सहायता दे रहे हैं। भारत सरकार भी समय–समय पर मदद करती है, लेकिन उसका कहना है कि म्यांमार या चीन में जातीय संघर्षों के कारण ऐसी मदद जारी रखना कोई सामान्य नियम नहीं हो सकता! इस मुद्दे पर भारत और म्यांमार के बीच आधिकारिक बातचीत चल रही है, लेकिन अभी तक कोई समाधान नहीं निकला है। भारत सरकार ने अब पूर्वोत्तर क्षेत्र में गैर–भारतीयों के और ज्यादा आने को रोकने के लिए भारत–म्यांमार सीमा पर कंटीले तारों की बाड़ लगाने का प्रस्ताव रखा है। लेकिन स्थानीय चर्च अधिकारियों और उनके अंतरराष्ट्रीय सहयोगियों ने इसका कड़ा विरोध किया है। राज्य और केंद्र के अधिकारियों ने बार–बार पहाड़ियों और जंगलों वाले बड़े और मुश्किल इलाके में प्रभावी सीमा प्रबंधन करने में आने वाली भारी लागत और कठिनाइयों का जिक्र किया है, लेकिन इस तर्क का स्थानीय चर्च अधिकारियों पर कोई खास असर नहीं पड़ा है।

किस्मत को कुछ और ही मंजूर था, इस हफ्ते माधुरी दीक्षित के शो में नजर आने वाले थे नाना पाटेकर ... अधूरी रह गई मुलाकात

> माधुरी ने इंस्टाग्राम पर अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए लिखा, एक महान कलाकार, एक दमदार व्यक्तित्व और एक अविस्मरणीय आवाज... नाना पाटेकर के निधन से फिल्म इंडस्ट्री ने एक अनमोल और दिग्गज अभिनेता को खो दिया है। उनके परिवार और चाहने वालों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं।

जिंदगी सच में अनिश्चित है। अनुभवी अभिनेता नाना पाटेकर, माधुरी दीक्षित के होस्ट किए गए शो कोण होणार करोडपती (केएचसी) – जो कौन बनेगा करोड़पति का मराठी वर्शन है–के पहले एपिसोड में एक खास मेहमान के तौर पर आने वाले थे। इसकी शूटिंग इस वीकेंड होनी थी। लेकिन किस्मत को कुछ और ही मंजूर था। गुरुवार को उनका निधन हो गया, जिससे इंडस्ट्री में एक खालीपन आ गया है। उनके निधन के बाद, माधुरी ने इंस्टाग्राम पर अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए लिखा, एक महान कलाकार, एक दमदार व्यक्तित्व और एक अविस्मरणीय आवाज... नाना पाटेकर के निधन से फिल्म इंडस्ट्री ने एक अनमोल और दिग्गज अभिनेता को खो दिया है। उनके परिवार और चाहने वालों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि। माधुरी और नाना पाटेकर ने 1998 की फिल्म वजूद में साथ काम किया था। अब, अभिनेत्री सोनाली बेंद्रे सोनी मराठी के कोण होणार करोडपती के पहले एपिसोड की हॉट सीट पर नजर आएंगी। गुरुवार रात पुणे में उनके डोंजे फार्महाउस पर पूरे राजकीय सम्मान के साथ नाना पाटेकर का अंतिम संस्कार किया गया। अंतिम संस्कार के बाद, नाना पाटेकर के बेटे मल्हार पाटेकर ने मीडिया से बात करते हुए कहा, नाना साहेब जैसे इंसान कभी हमें छोड़कर नहीं जातेय उनकी उपलब्धियों ने उन्हें अमर बना दिया है। दूसरी बात, उनका हमेशा मानना छ्था कि सभी को एक साथ आना चाहिए और वैश्विक स्तर पर सही रास्ते पर चलना चाहिए। तीसरी बात, भविष्य के बारे में–नाना साहेब जो विजन छोड़ गए हैं, उसे आगे बढ़ाते हुए ही हम अपनी आगे की जिंदगी को आकार देंगे। नाना पाटेकर ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत 1978 की फिल्म गमन से की और परिंदा, प्रहार, अंगार, क्रांतिवीर, तिरंगा, खामोशी और अब तक छप्पन जैसी फिल्मों में प्रशंसित अभिनय किया। हाल के वर्षों में, 75 वर्षीय अभिनेता ने हाउसफुल 5 में अक्षय कुमार, अभिषेक बच्चन, रितेश देशमुख और अन्य के साथ अभिनय किया। उन्होंने विशाल भारद्वाज की ओशरोमियो में एक पुलिस अधिकारी की भूमिका भी निभाई, जिसमें शाहिद कपूर और तृप्ति डिमरी हैं। पाटेकर ने आगे सूबेदार में एक केमियो भूमिका निभाई, जिसमें अनिल कपूर और राधिका मदान थे।

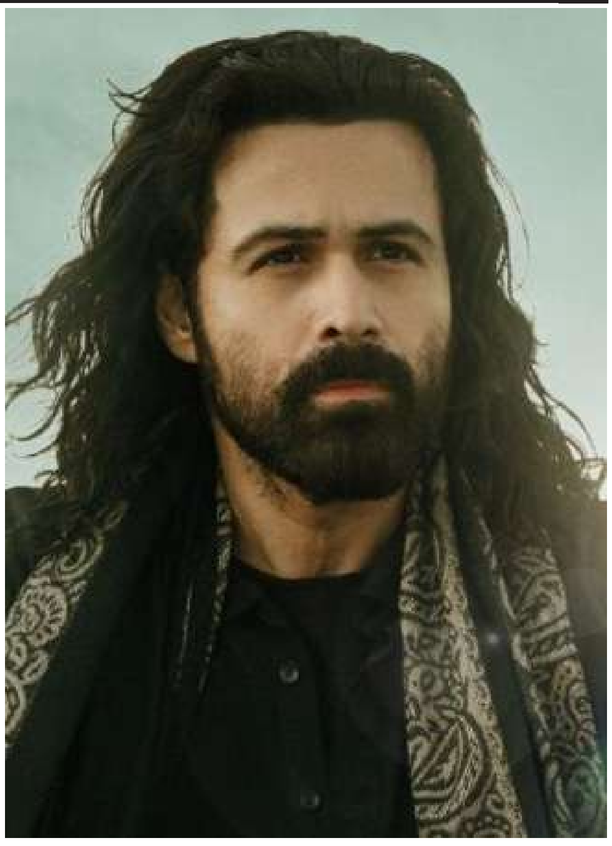

'शिवम पंडित' के रूप में इमरान हाशमी की धमाकेदार वापसी! 'आवारापन 2' ओटीटी पर हुई रिलीज़

बॉलीवुड अभिनेता इमरान हाशमी अपने सबसे लोकप्रिय और यादगार किरदारों में से एक श्शिवम पंडितश् के रूप में एक बार फिर दर्शकों के सामने लौट आए हैं। वर्ष 2007 में आई सुपरहिट फिल्म श्आवारापनश् के लगभग दो दशक बाद आए इस सीक्वल श्आवारापन 2श् में रोमांस, एक्शन और इमोशनल ड्रामा का जबरदस्त संगम देखने को मिल रहा है। नितिन कक्कड़ के निर्देशन और विशेष भट्ट के प्रोडक्शन में बनी यह फिल्म अब डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी उपलब्ध हो चुकी है। इस सीक्वल में रोमांस, एक्शन और ड्रामा का संगम है, जिसमें शिवम उस दुनिया में लौटता है जिसे उसने कभी पीछे छोड़ने की कोशिश की थी। नितिन कक्कड़ द्वारा निर्देशित इस फ़िल्म में दिशा पटानी, शबाना आज़मी, पूरन गब्बी, विजयंत कोहली और सुविंदर विक्की भी अहम भूमिकाओं में हैं।

'आवारापन 2' कब और कहाँ देखें?

थिएटर में रिलीज़ होने के लगभग दो महीने बाद, 'आवारापन 2' अब प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम हो रही है। जिन लोगों ने बड़े पर्दे पर इमरान हाशमी को शिवम पंडित के रूप में नहीं देखा, वे अब घर बैठे इसे देख सकते हैं।

आवारापन 2 की कहानी क्या है?

कहानी शिवम पंडित के इर्द–गिर्द घूमती है, जिसने अपराध की दुनिया छोड़ने के बाद एकांत जीवन अपना लिया है। राजस्थान के एक दूर–दराज़ गाँव में, वह अपनी प्रेमिका की कब्र पर शोक मनाते हुए और अपने अतीत के पछतावे से जूझते हुए दिन बिताता है। जीवन का मकसद खो चुके शिवम को नई शुरुआत करने की बहुत कम उम्मीद है। हालात तब बदलने लगते हैं जब एक अनपेक्षित रिश्ता उसे फिर से परवाह करने की वजह देता है। लंबे समय बाद, उसे एक अलग ज़िंदगी की संभावना दिखाई देने लगती है। हालाँकि, शांति पाने की उसकी कोशिश ज़्यादा समय तक नहीं चल पाती। शिवम बैंकॉक में एक कार्टेल वॉर (गैंग वॉर) में फँस जाता है और उसे उस हिंसक दुनिया में लौटने के लिए मजबूर होना पड़ता है जिसे उसने पीछे छोड़ दिया था। जब उसकी ज़िंदगी में धोखा, ख़तरा और प्यार की संभावना आती है, तो वह खुद से परे दूसरे लोगों के लिए भी ज़िम्मेदार महसूस करता है। अब शिवम को उन फैसलों का सामना करना होगा जिन्होंने उसके अतीत को आकार दिया और यह तय करना होगा कि वह किसके लिए लड़ना चाहता है।

आवारापन 2 ने बॉक्स ऑफिस पर कितनी कमाई की?

आवारापन 2 ने दुनिया भर में कुल 213.01 करोड़ रुपये की कमाई की है, जिसमें भारत से 179.46 करोड़ रुपये और विदेशी बाज़ारों से 33.55 करोड़ रुपये शामिल हैं। फिल्म ने 139,063 शो में 150.59 करोड़ रुपये की नेट कमाई की है।

अपनी कमाई का 90फीसदी किसानों को दान कर देते थे नाना पाटेकर, रजा मुराद ने याद की दिवंगत एक्टर की दरियादिली

अनुभवी अभिनेता रजा मुराद ने नाना पाटेकर को एक उदार और दयालु इंसान के तौर पर याद किया। उन्होंने याद किया कि कैसे पाटेकर ने जरूरतमंद किसानों और कम मेहनताना पाने वाले मराठी थिएटर कलाकारों की मदद की और इतनी सफलता के बावजूद जमीन से जुड़े रहे। दिवंगत अभिनेता को श्रद्धांजलि देते हुए, मुराद ने पाटेकर के साथ अपने निजी जुड़ाव के बारे में बात की और याद किया कि कैसे वह हर साल गणेश चतुर्थी के दौरान माटुंगा में उनके घर जाते थे। ऑन–स्क्रीन और ऑफ–स्क्रीन पाटेकर की शख्सियत को याद करते हुए मुराद ने कहा, मैं हर साल गणेश चतुर्थी के दौरान नाना पाटेकर के माटुंगा वाले घर जाता था। इस साल मैं नहीं जा सका क्योंकि उन्होंने पुणे स्थित अपने फार्म पर गणेश चतुर्थी मनाई। स्क्रीन पर कितने वर्सेटाइल और जबरदस्त अभिनेता और स्क्रीन के बाहर भी उतने ही शानदार इंसान। पाटेकर को शेर–दिल इंसान बताते हुए, रजा मुराद ने उनके समाज–सेवा के कामों का जिक्र किया और कहा कि अभिनेता ने अपनी कमाई का एक बड़ा हिस्सा जरूरतमंद किसानों और संघर्ष कर रहे मराठी थिएटर कलाकारों की मदद के लिए दान कर दिया। उन्होंने कहा, वह शेर–दिल इंसान थे, जो अपनी कमाई का 90 प्रतिशत हिस्सा जरूरतमंद किसानों और कम मेहनताना पाने वाले मराठी स्टेज कलाकारों को दान कर देते थे। उनके असमय निधन के साथ वह महान दौर खत्म हो गया है। मुराद ने आगे याद किया कि कैसे सफलता ने पाटेकर को कभी नहीं बदलाय उन्होंने उन्हें दिल से एक साधारण इंसान बताया जो हमेशा दूसरों की भलाई के लिए समर्पित रहे। उन्होंने कहा, नाना पाटेकर जैसा दूसरा कोई नहीं होगा, जो दिल से एक साधारण ग्रामीण थे। बड़ी सफलता का उन पर जरा भी असर नहीं पड़ा। वह हमेशा दूसरों की तरक्की और भलाई के लिए जिए। भगवान उनकी नेक आत्मा को हमेशा शांति दे। नाना पाटेकर जैसा दूसरा कोई नहीं होगा, जो दिल से एक साधारण ग्रामीण थे। बड़ी सफलता का उन पर जरा भी असर नहीं पड़ा। वह हमेशा दूसरों की तरक्की और भलाई के लिए जिए। भगवान उनकी नेक आत्मा को हमेशा शांति दे। जबरदस्त एक्टिंग और अलग–अलग तरह के रोल निभाने की काबिलियत के लिए मशहूर पाटेकर ने हिंदी और मराठी सिनेमा में अपने काम से पहचान बनाई। शाहरुख खान, सलमान खान और हेमा मालिनी समेत भारतीय फिल्म जगत की कई जानी–मानी हस्तियों ने दिग्गज अभिनेता नाना पाटेकर के निधन पर उन्हें श्रद्धांजलि दी है। राज बब्बर, अनुपम खेर, रोहित शेट्टी, संजय दत्त, अक्षय कुमार और पंकज त्रिपाठी जैसी हस्तियों ने भी भारतीय सिनेमा में उनके बड़े योगदान और कलाकारों की कई पीढ़ियों पर उनके गहरे प्रभाव को याद किया। पद्म श्री से सम्मानित इस अभिनेता का 8 अक्टूबर, 2026 को 75 साल की उम्र में निधन हो गया। खबरों के मुताबिक, सीने में तेज तकलीफ के बाद यह दिग्गज अभिनेता गोवा स्थित अपने घर पर बेहोश पाए गए थे।

चार दोस्तों की कहानी में क्राइम का तड़का, प्राइम वीडियो की 'चार यार' में मिलेगा सस्पेंस और ड्रामा

8 एपिसोड वाली सीरीज चार यार 23 अक्टूबर को प्रीमियर के लिए तैयार है। सीरीज में लीड रोल में पूर्व झा, नमन जैन, साकिब अय्यूब और प्रयारक मेहता के साथ साई ताम्हणकर, सिकंदर खेर, दिव्येंदु भट्टाचार्य, राजेश तैलंग, चंकी पांडे और भगवती पेरुमल भी फिल्म में अहम किरदार निभाते नजर आएंगे। भारत की सबसे बड़ी स्ट्रीमिंग सर्विस, प्राइम वीडियो जिसे एक्सक्लूसिव ओरिजिनल्स के लिए खास तौर पर जाना जाता है ने आज अपनी अपकमिंग हिंदी प्राइम ओरिजिनल सीरीज चार यार के ग्लोबल स्ट्रीमिंग प्रीमियर का एलान कर दिया है। बता दें कि इसका प्रीमियर 23 अक्टूबर को होने वाला है। चार यार में पूरव झा, नमन जैन, साकिब अयूब और प्रयाक मेहता लीड रोल्स में हैं, वहीं साई तम्हंकर, सिकंदर खेर, दिब्येंदु भट्टाचार्य, राजेश तैलंग, चंकी पांडे और भगवती पेरुमल भी अहम भूमिकाओं में नजर आने वाले हैं। विनय वाइकुल ने सीरीज को डायरेक्ट किया है, जबकि संबित मिश्रा और सौरभ सावंत ने इसे लिखा है। श्याम, पिंक विंडो प्रोडक्शन प्राइवेट लिमिटेड के बैनर तले और बीबीसी स्टूडियोज इंडिया द्वारा डेवलप की गई सीरीज को प्रणति नागरशेठ, नीरज नागरशेठ और पी.एस. द्वारा प्रोड्यूस किया गया है। विनय वाइकुल, एस. हुसैन जैदी, संबित मिश्रा और सौरभ सावंत ने इसे क्रिएट किया है। सीरीज की कहानी चार दोस्तों के इर्द गिर्द घूमती है, जो 2000 के शुरुआती वक्त पर सेट है। कहानी में मुंबई के उतार–चढ़ाव से भरी जिंदगी के बीच जय, टोनी, साहिल और समीर नाम के चार दोस्त आम सी मिडिल–क्लास लाइफ की सच्चाई से लेकर परिवार की कंधों पर पढ़ने वाली जिम्मेदारियों और बेहतर आने वाले कल के सपनों के बीच अपनी राह बनाते हैं। वह साथ मिलकर हर मुश्किल का सामना करते हैं जो कि उनकी दोस्ती की मजबूत नींव का आधार बनता है। लेकिन मुश्किल हालात में लिया गया एक बड़ा फैसला उनके लिए किसी खाई की तरह बन जाता है जो उन्हें क्राइम, गैंगस्टर और पुलिस द्वारा पीछा किए जाने के हालात में पहुंचा देता है। अब अपने इस मुश्किल हालात को बदलने की जद्दोजेहद के रूप में शुरु हुई यह कहानी जल्द ही एक ऐसे रिस्क से भरे सफर में बदल जाती है, जहाँ उनकी दोस्ती ही उनका इकलौता सहारा होती है और ऐसे में उनका लिया गया हर फैसला उन्हें खतरे के और करीब ले जाता है। प्राइम वीडियो और अमेजन एमजीएम स्टूडियोज इंडिया में ओरिजिनल्स के डायरेक्टर और हेड निखिल माधोक ने कहा, "'चार यार' में दोस्ती, अपने सपनों को पूरा करने की चाह, हंसी–मजाक और ऐसे ट्विस्ट देखने को मिलेंगे, जिनकी उम्मीद नहीं होती। ये सभी चीजें मिलकर इसे एक बेहद एंटरटेनिंग कहानी बनाती हैं। हम हमेशा से नए टैलेंट को मौका देने में आगे रहे हैं और फिल्म के युवा लीड एक्टर्स की शानदार परफॉर्मेंस देखना अपने आप में एक ट्रीट है। विनय वाइकुल के डायरेक्शन और उनके काम करने के अंदाज ने इस कहानी की दुनिया में एक अलग ही रंग भर दिया है। हम बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं कि 23 अक्टूबर को प्रीमियर होने पर दुनियाभर के दर्शक इस कहानी को देखें। चार यार का प्रीमियम एक्सक्लूसिव तौर पर प्राइम वीडियो पर हिंदी में होने वाला है। यह भारत समेत कुल 240 देश और टेरिटरीज में 23 अक्टूबर 2026 को स्ट्रीमिंग के लिए तैयार है।

बदलते मौसम में बार-बार जुकाम? आजमाएं ये नेचुरल नुस्खे, 3-4 दिनों में दिखेगा असर

मौसम के बदलते ही सर्दी-जुकाम, खांसी और गले में खराश जैसी समस्याएं आम हो जाती हैं। ऐसे में लोग दवाइयों का सहारा लेते हैं, लेकिन आयुर्वेदिक तरीके से जुकाम का इलाज अधिक प्रभावी और सुरक्षित माना जाता है। विशेषज्ञ के अनुसार, यदि आप शुरुआती लक्षणों पर ही कुछ नेचुरल उपाय अपनाएं, तो 3/4 दिनों में बिना दवा के राहत पा सकते हैं।

बदलते मौसम में क्यों होता है जुकाम?

मौसम में अचानक बदलाव के दौरान शरीर की प्रतिरोधक क्षमता कमजोर हो जाती है। ठंडी हवा, संक्रमण और प्रदूषण के कारण नाक, गला और फेफड़ों पर असर पड़ता है। इससे शरीर संक्रमण के प्रति संवेदनशील हो जाता है और जुकाम, खांसी जैसी दिक्कतें बढ़ जाती हैं। विशेष रूप से जिन लोगों को एलर्जी या साइनस की समस्या है, उन्हें यह संक्रमण जल्दी पकड़ता है।

बारिश के मौसम में बच्चों को बार-बार हो रहा सर्दी बुखार तो अपनाएं ये आसान घरेलू इलाज

पहले लक्षण में ही ठोस भोजन बंद करें

एक्सपर्ट कहते हैं

"अगर जुकाम के पहले ही लक्षण दिखें जैसे नाक बंद होना, छींक आना या गले में खराश तो सबसे पहले ठोस भोजन बंद कर दें।" इस दौरान शरीर को संक्रमण से लड़ने के लिए ऊर्जा की जरूरत होती है। ऐसे में भारी भोजन पचाने में शरीर की ऊर्जा खर्च होती है, जिससे रिकवरी धीमी होती है। इसलिए कुछ दिनों के लिए सिर्फ गर्म पानी, हर्बल टी, काढ़ा, नारियल पानी और ताजे फलों के रस का सेवन करें। 3द्4 दिनों तक ऐसा करने से शरीर जल्दी संक्रमण से बाहर निकल आता है।

घर पर बनाएं असरदार काढ़ा

घर में उपलब्ध सामान्य सामग्रियों से तैयार किया गया काढ़ा जुकाम में रामबाण है। काढ़ा बनाने की विधि एक पैन में दो कप पानी डालें। इसमें आधा चम्मच सौंफ, दो इलायची, 5/6 तुलसी की पत्तियां, आधा इंच अदरक का टुकड़ा और आधा चम्मच हल्दी डालें। इसे धीमी आंच पर तब तक उबालें जब तक पानी आधा न रह जाए। गुनगुना होने पर छानकर इसमें थोड़ा शहद मिलाएं और दिन में दो बार पिएं। इस काढ़े से शरीर में गर्मी बढ़ती है, बलगम ढीला पड़ता है और नाक-गला खुल जाता है।

इन नेचुरल उपायों के फायदे

शरीर को प्राकृतिक रूप से ठीक होने का मौका मिलता है। दवाइयों पर निर्भरता कम होती है। गरम पानी और काढ़ा शरीर से टॉक्सिन्स को बाहर निकालते हैं। पाचन तंत्र मजबूत होता है और इम्यूनिटी बढ़ती है। हल्का आहार लेने से शरीर की ऊर्जा संक्रमण से लड़ने में केंद्रित रहती है। इन उपायों से न केवल जुकाम से राहत मिलती है बल्कि शरीर भविष्य के संक्रमणों के प्रति भी मजबूत होता है।

एक्सपर्ट की सलाह

"सर्दी-जुकाम जैसी बीमारियां दवा से नहीं, जीवनशैली से ठीक होती हैं। अगर आप समय रहते अपनी डाइट और आदतों में सुधार करें, तो बार-बार होने वाले संक्रमण से बच सकते हैं।" इसलिए बदलते मौसम में पर्याप्त नींद लें, तनाव से बचें, और रोज सुबह गर्म पानी में नींबू और शहद मिलाकर पीने की आदत डालें।

कब लें डॉक्टर की मदद

अगर जुकाम के साथ तेज बुखार, सांस लेने में दिक्कत, या सीने में दर्द जैसी समस्या हो, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। क्योंकि ऐसे लक्षण वायरल या बैक्टीरियल इंफेक्शन का संकेत भी हो सकते हैं। बदलते मौसम में जुकाम से बचने के लिए दवा नहीं, बल्कि संतुलित आहार, सही दिनचर्या और आयुर्वेदिक उपाय ही सबसे कारगर हैं। "प्रकृति के दिए उपाय हमेशा शरीर को बिना नुकसान के ठीक करते हैं, बस उन्हें सही समय पर अपनाने की जरूरत है।"

नवरात्रि में मां दुर्गा को करना है प्रसन्न तो इन गलतियों को करने से बचें

नवरात्रि के दौरान माता दुर्गा की आराधना का विशेष महत्व है। 2024 की शारदीय नवरात्रि 3 अक्टूबर से शुरू हो चुकी है। यह पर्व माता के नौ रूपों की पूजा के लिए जाना जाता है। इस दौरान भक्त माता को प्रसन्न करने के लिए विभिन्न तरह से पूजा करते हैं, जिनमें फूलों का अर्पण प्रमुख है। फूल न सिर्फ सुंदरता का प्रतीक हैं, बल्कि इनके माध्यम से भक्त अपने भावनाओं को माता रानी तक पहुँचाते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि कुछ फूल ऐसे हैं, जिन्हें चढ़ाना अशुभ माना जाता है? इन फूलों को माता रानी को अर्पण करने से न केवल पूजा निष्फल हो सकती है, बल्कि आपकी जिंदगी में नकारात्मक प्रभाव भी आ सकता है।

मां दुर्गा का प्रिय फूल

माता दुर्गा को अनेक फूल पसंद हैं, लेकिन सबसे प्रिय फूल है गुड़हल का लाल फूल। इसे देवी के आराधना के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण माना जाता है। भक्त जब गुड़हल के लाल फूल अर्पित करते हैं, तो माता शीघ्र प्रसन्न होती हैं और साधक का कल्याण करती हैं। विशेष रूप से बंगाल में, दुर्गा पूजा के दौरान बिना गुड़हल फूल के पूजा को अधूरा माना जाता है। इसके अलावा, कमल, गुलाब, मोगरा, चमेली, गेंदा और जूही के फूल भी मां को बेहद प्रिय हैं। ये फूल माता रानी को अर्पित करने से भक्तों को सुख, शांति और समृद्धि प्राप्त होती है।

मां दुर्गा को न चढ़ाएं ये 7 फूल

पूजन के दौरान माता पवित्रता का विशेष ध्यान रखा जाता है। परंतु कुछ फूल ऐसे हैं जिन्हें भूलकर भी मां दुर्गा को अर्पित नहीं करना चाहिए। ये फूल देवी को नाराज कर सकते हैं। यहां हम आपको बताते हैं उन 7 फूलों के बारे में, जिन्हें चढ़ाने से माता रुष्ट हो सकती हैं

1. मदार (आक)
2. धतूरा
3. हरसिंगार
4. कनेर
5. तुलसी
6. बेल

इन फूलों को शास्त्रों में वर्जित बताया गया है और इन्हें मां के चरणों में अर्पित करने से संकट आ सकता है। पूजा के दौरान अगर इनका अर्पण किया जाता है, तो मां दुर्गा प्रसन्न नहीं होतीं और इसके विपरीत नकारात्मक ऊर्जा का प्रभाव जीवन में आ सकता है।

मां दुर्गा को फूल चढ़ाने के नियम

मां दुर्गा की पूजा में फूल चढ़ाने के कुछ विशेष नियम होते हैं। ये नियम शास्त्रों में उल्लेखित हैं और इन्हें सही तरीके से पालन करने पर ही पूजा सफल मानी जाती है। यहां 3 मुख्य नियम बताए गए हैं, जिनका पालन आवश्यक है।

ताजे और शुद्ध फूल

मां को हमेशा ताजे और सुगंधित फूल चढ़ाने चाहिए। मुरझाए हुए, धूल भरे या कीड़ों से दूषित फूल अर्पित करने से बचना चाहिए। जो फूल टूटे या बिखरे हुए होते हैं, उन्हें अर्पित नहीं करना चाहिए। खासकर सूंघे हुए फूल या जमीन पर गिरे फूल चढ़ाने की भूल नहीं करनी चाहिए। फूलों को माता के चरणों में विधि-विधान से अर्पित करना चाहिए। मन से निष्ठा और श्रद्धा के साथ यह कार्य करना बेहद महत्वपूर्ण है।

मां दुर्गा को फूल चढ़ाने में इन गलतियों से बचें

फूलों का चयन करते समय ध्यान रखें कि फूल गंदे स्थानों पर उगे न हों। फूल बासी या मुरझाए हुए न हों। सूंघे हुए या जमीन पर गिरे फूल न अर्पित करें। बहुत तीव्र गंध वाले फूल भी माता को चढ़ाने से बचें। नवरात्रि के दौरान मां दुर्गा की पूजा में फूल अर्पित करने से माता शीघ्र प्रसन्न होती हैं, लेकिन कुछ विशेष फूलों से दूरी बनाकर रखना चाहिए। पूजा करते समय शुद्धता और विधि का ध्यान रखना बेहद जरूरी है। जब भक्त सही ढंग से और श्रद्धा के साथ फूल अर्पित करते हैं, तो मां दुर्गा उनकी सारी इच्छाएं पूरी करती हैं।

मां दुर्गा को फूल चढ़ाने के 3 महत्वपूर्ण नियम

1. ताजे फूलों का प्रयोग माता रानी को हमेशा ताजे और सुगंधित फूलों का प्रयोग करें। मुरझाए हुए या सूखे फूलों का प्रयोग नहीं करना चाहिए।

2. शुद्ध फूल फूलों को साफ कर ही चढ़ाना चाहिए। उनमें कोई कीड़ा या मिट्टी नहीं होनी चाहिए।

3. विधि-विधान से चढ़ाएं फूलों को विधि-विधान से निष्ठापूर्वक और मन से चढ़ाना चाहिए।

मां दुर्गा के प्रिय फूल

प्रचलित रिवाजों और परंपराओं के अनुसार, माता रानी को भांति-भांति के फूल चढ़ाए जाते हैं। भक्त और साधक जब कमल, चंपा, चमेली, गुलाब, मोगरा, गेंदा और जूही के फूल देवी मां को अर्पित करते हैं, तो मां बेहद प्रसन्न होती हैं। लेकिन गुड़हल का लाल फूल मां दुर्गा को सबसे अधिक पसंद है। गुड़हल के फूलों की माला अर्पित करने माता रानी शीघ्र प्रसन्न होती हैं और साधक का कल्याण करती हैं। बंगाल की दुर्गा पूजा बिना गुड़हल फूल के अधूरी मानी जाती है।

सिर्फ 3 दिन छोड़ दें मैदा शरीर दिखाएगा ये 8 कमाल!

डेली डाइट में ब्रेड, बिस्कुट, पैस्ट्रीज, केक सब मजे से खाए जाते हैं लेकिन यह सब चीजें मैदा से तैयार की जाती है और ये मैदा अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड है जो आपके शरीर के लिए बिलकुल भी फायदेमंद नहीं है क्योंकि मैदा या रिफाइंड आटा, पेट में जाकर तेजी से ग्लूकोज में बदल जाता है जो शुगर को बढ़ा देता है।

क्यों नहीं खाना चाहिए मैदा?

डॉक्टरों के अनुसार, मैदा जो कि अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड है, जिसका शरीर को कोई फायदा नहीं होता बल्कि कई नुकसान होते हैं क्योंकि मैदे में फाइबर बिलकुल नहीं होता और फाइबर के बिना कोई भी चीज बेजान हो जाती है। इससे आपके शरीर को मोटापा, डायबिटीज और कई तरह की क्रोनिक बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है, इसलिए यदि आप एक या दो महीने तक मैदा का सेवन नहीं करेंगे तो शरीर में कई तरह के फायदे देखेंगे। आइए जानते हैं मैदा नहीं खाने के सेहत को कौन-कौन से फायदे होते हैं।

अगर आप सिर्फ 3 दिन के लिए मैदा (रिफाइंड आटा) छोड़ देते हैं, तो आपके शरीर में कुछ सकारात्मक बदलाव देखने को मिल सकते हैं। मैदा अत्यधिक प्रोसेस्ड और पोषक तत्वों से रहित होता है, और इसे

छोड़ने से स्वास्थ्य पर कई सकारात्मक प्रभाव पड़ सकते हैं।

ब्लड शुगर कंट्रोल

अगर आप मैदा नहीं खाएंगे तो सबसे पहला प्रभाव डायबिटीज पर पड़ेगा। आपका ब्लड शुगर कंट्रोल में रहेगा। मैदा या रिफाइंड आटा पेट में जाकर तेजी से ग्लूकोज में बदल जाता है जो शुगर को बढ़ा देता है। मैदा छोड़ने पर ब्लड शुगर और इंसुलिन रेजिस्टेंस कम हो जाता है। मैदा का ग्लाइसेमिक इंडेक्स (ळप्) अधिक होता है, जो शरीर में ब्लड शुगर को तेजी से बढ़ाता है। इसे खाने से अचानक से ऊर्जा में उतार-चढ़ाव होता है। मैदा छोड़ने पर आपका ब्लड शुगर स्तर स्थिर रहेगा।

फायदाः ज्यादा स्थिर ऊर्जा महसूस होगी, और थकान कम लगेगी।

मजबूत पाचन तंत्र

मैदा में फाइबर की कमी होती है, जिससे पाचन तंत्र में समस्या हो सकती है, जैसे कब्ज और गैस। इसे छोड़ने से आपका पाचन तंत्र बेहतर काम करेगा। मैदा की जगह साबुत गेंहू, बादाम का आटा, नारियल का आटा या मोटे अनाज के आटे से बनी रोटियों का सेवन करें।

फायदाः पेट हल्का महसूस होगा और कब्ज की समस्या में राहत मिल सकती है।

वजन कंट्रोल

मैदा में कैलोरी और कार्बोहाइड्रेट की मात्रा अधिक होती है, लेकिन पोषक तत्व कम होते हैं। आप मैदा की जगह मिलेट या मोटे अनाज का सेवन करेंगे तो इसमें फाइबर की उच्च मात्रा देर तक भूख नहीं लगने देगी, जिससे वजन कंट्रोल रहेगा।इसे छोड़ने से शरीर में कम अनावश्यक कैलोरी जाएगी, जिससे वजन घटने में मदद मिलेगी।

फायदाः वजन कम करने में मदद मिलेगी, खासकर पेट की चर्बी।

त्वचा चमकदार और स्वस्थ

मैदा का सेवन त्वचा के लिए हानिकारक हो सकता है, क्योंकि यह रक्त शर्करा को प्रभावित कर शरीर में सूजन और मुंहासों को बढ़ावा दे सकता है। इसे छोड़ने से त्वचा पर सुधार दिख सकता है।

फायदाः त्वचा साफ और चमकदार महसूस हो सकती है, मुंहासे कम हो सकते हैं।

सूजन और ब्लोटिंग ठीक होगी

मैदा, सूजन का कारण बन सकता है, जिससे शरीर में भारीपन और सूजन महसूस हो सकती है। इसे आहार से हटाने से शरीर की सूजन कम हो सकती है। इंफ्लामेशन यानी सेल्स में जब सूजन होती है तो फ्री रेडिकल्स बढ़ता और इससे ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस भी बढ़ जाता है। ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस के कारण मोटापा, ब्लड प्रेशर, डायबिटीज सहित कई क्रोनिक बीमारियां होती है। मैदा नहीं खाएंगे तो इन क्रोनिक बीमारियों का खतरा कम हो जाएगा।

फायदाः शरीर में हल्कापन और आराम महसूस होगा।

एनर्जी बढ़ेगी

मैदा छोड़ने से शरीर में एनर्जी का स्तर बढ़ता है। मैदा शरीर में एनर्जी रिलीज को रोकता है। इसे हटाने पर आपका शरीर अधिक पोषक तत्वों से युक्त खाद्य पदार्थों को ग्रहण करेगा, जिससे आपको अधिक स्थिर और स्फूर्तिवान महसूस होगा।

फायदाः मानसिक और शारीरिक ऊर्जा में वृद्धि होगी।

मूड में सुधार

ब्लड शुगर के उतार-चढ़ाव से मस्तिष्क पर प्रभाव पड़ता है, जिससे चिड़चिड़ापन या सुस्ती हो सकती है। मैदा छोड़ने से आपका मूड स्थिर और सकारात्मक हो सकता है।

फायदाः मूड बेहतर होगा और मानसिक स्पष्टता में सुधार होगा।

इम्यूनिटी बढ़ेगी

मैदा पोषक तत्वों से रहित होता है और ज्यादा खाने से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर हो सकती है। इसे छोड़ने से पोषण बेहतर होगा और आपकी इम्यून सिस्टम को मजबूती मिलेगी आप जल्दी बीमार नहीं होंगे।

मैदे की जगह पर क्या खाएं?

मैदे की जगह पर आप साबुत गेहूं, बादाम का आटा, नारियल का आटा, ब्राउन राइस का आटा, मोटे अनाज के आटे से बनी रोटियां, ज्वार, मिलेट, बाजरा, रागी आदि खाएं।

नोटः 3 दिन में ही इन सुधारों को महसूस करना शुरू किया जा सकता है, लेकिन लंबे समय तक मैदा से परहेज करना आपके स्वास्थ्य को और भी अधिक लाभ पहुंचाएगा।

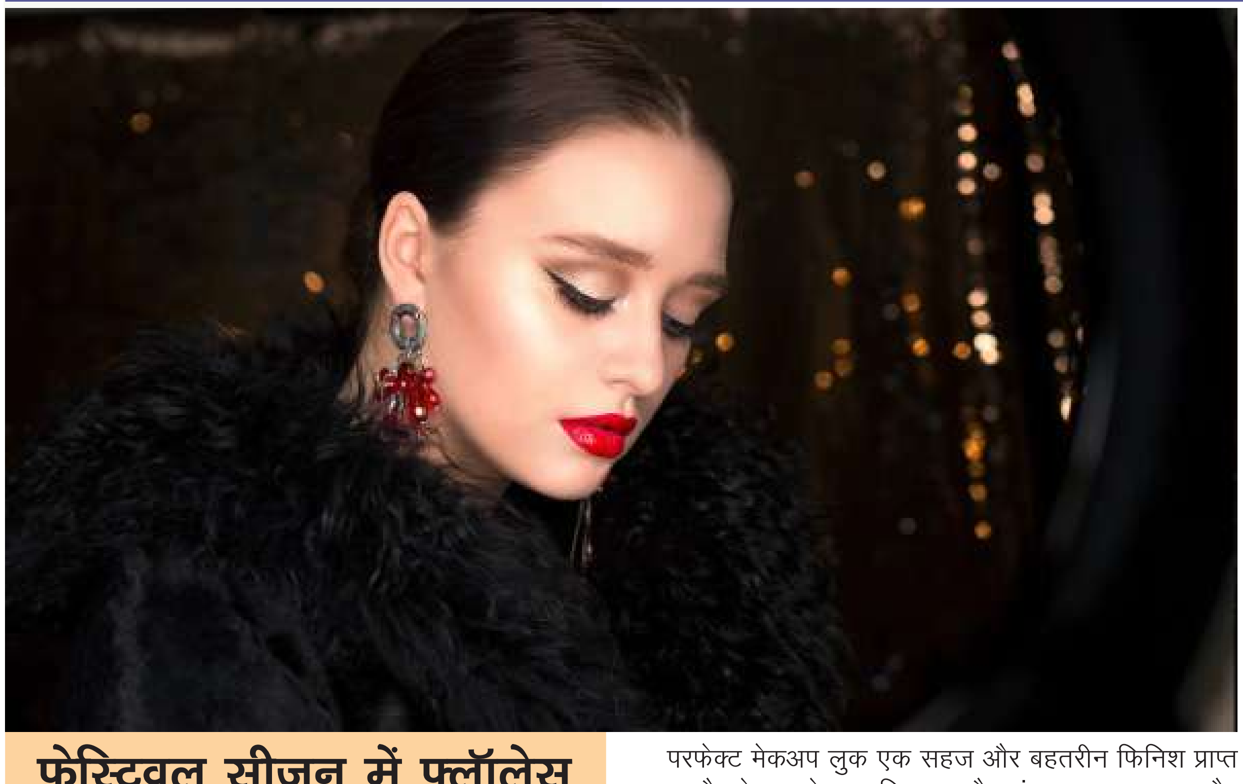

फेस्टिवल सीजन में फ्लॉलेस मेकअप लुक के लिए फॉलो करें ये टिप्स, आएगा नेचुरल निखार और दिखेंगी खूबसूरत

परफेक्ट मेकअप लुक एक सहज और बहतरीन फिनिश प्राप्त करता है जो आपके आत्मविश्वास और सुंदर महसूस कराता है। हालांकि, फ्लॉलेस मेकअप लुक पाना काफी चुनौतीपूर्ण हो सकता है, खासकर यदि आप सही तकनीक नहीं जानते हैं या सही उत्पादों का उपयोग नहीं करते हैं। लेकिन अब चिंता मत करो! यहां आपके फ्लॉलेस मेकअप लुक को निखारने के लिए कुछ आसान टिप्स दिए गए हैं। वहीं महिलाएं मेकअप का चुनाव करते समय कपड़ो के साथ-साथ स्किन का विशेष ख्याल रखें।

फेयर स्किन के लिए मेकअप टिप्स

फेयर स्किन टोन वाली महिलाओं को वेज पिंक टिंट वाला फाउंडेशन सलेक्ट करना चाहिए। अगर आपका कॉम्प्लेक्शन यालोइश है तो आप वेज और ओरेंज अंडरटोन फाउंडेशन का इस्तेमाल कर सकते है। फेयर स्किन पर आइब्रो के लिए ब्लैक की जगह ब्राउन रंग की आइब्रो पेंसिल ज्यादा बेहतर है। ब्लैक आईलाइनर के साथ ब्राउन आईशैडो का इस्तेमाल करें। फेयर स्किन टोन वालों को गालों पर पिंक या रेज ब्लश का इस्तेमाल करना चाहिए। लाइट मेकअप पर पिंक या न्यूड लिपिस्टिक लगाएं।

डस्की स्किन के लिए मेकअप टिप्स

डस्की स्किन वाली लड़कियों को वर्म टोन वाला फाउंडेशन चूज करना चाहिए। कंसीलर के लिए केरेमल शेड ले सकती है, डार्क सर्कल छुपाने के लिए सही ढंग से कंसीलर का प्रयोग करें। फाउंडेशन को ब्यूटी ब्लेंडर की मदद से ब्लेंड करें। डस्की स्किन वाले लोग आंखों के लिए ब्राइट कलर के आईशैडो का इस्तेमाल करें, इससे आपकी हाइलाइट अच्छे से होगी। डस्की स्किन के लिए रेड, कॉफी ब्राउन और मूव कलर की लिपिस्टिक बढ़िया लगेगी।

सांवली स्किन के लिए मेकअप टिप्स

सांवली स्किन टोन वाली महिलाओं को ब्राउनिश शेड का फाउंडेशन का उपयोग करना चाहिए। सावले रंग पर ब्राउन रंग का ब्लश खूबसूरत लगता है। इसके साथ ही आप हाइलाइटर पाउडर का इस्तेमाल करें। आई मेकअप के लिए लाइट कलर यूज करें। स्मोकी आई लुक के लिए आप ब्लैक आईलाइनर को स्मज करके लगाएं और फिर हल्के ब्राउन रंग का आईशैडो लगाएं। सांवले रंग पर लिपिस्टिक के न्यूड शेड्स काफी परफेक्ट लगते हैं।

भारत बनाम वेस्टइंडीज: अभिषेक के निशाने पर होगा सूर्यकुमार का कौन सा रिकॉर्ड? कुलदीप भी बड़ी उपलब्धि के करीब

रांची। भारत और वेस्टइंडीज के बीच पांच टी20 मैचों की सीरीज का दूसरा मुकाबला शुक्रवार को जेएससीए अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम परिसर में खेला जाएगा। भारत के विस्फोटक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा के पास इस मैच में पूर्व भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव के एक बड़े रिकॉर्ड को तोड़ने का मौका है। सूर्यकुमार यादव के नाम टी20 क्रिकेट में गेंद खेलने के हिसाब से सबसे तेज 2,000 रन बनाने का रिकॉर्ड है। सूर्यकुमार ने 1164 गेंदों पर अपने 2,000 टी20 रन पूरे किए थे।

शानदार लय में दिख रहे हैं अभिषेक

अभिषेक शर्मा 63 मैचों की 62 पारियों में 997 गेंदों का सामना कर 1,947 रन बना चुके हैं। अभिषेक के पास सूर्यकुमार का रिकॉर्ड तोड़ने और सबसे तेज 2,000 रन बनाने वाला टी20 बल्लेबाज बनने के लिए बहुत कम गेंदें खेलनी होंगी, लेकिन अभिषेक जिस तरह की बल्लेबाजी करते हैं अगले 20 से 25 गेंदों में वह अपने 2,000 रन पूरे कर सूर्यकुमार यादव का रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं। लखनऊ में खेले गए पहले टी20 मुकाबले में अभिषेक शर्मा अच्छे टच में दिखे थे, लेकिन 10 गेंदों पर 21 रन बनाकर आउट हो गए थे। देखना होगा कि रांची में वह सूर्यकुमार यादव से आगे निकल पाते हैं या नहीं। अंतरराष्ट्रीय टी20 क्रिकेट में सूर्यकुमार यादव के बाद सबसे तेज 2,000 रन बनाने का रिकॉर्ड पाकिस्तान के पूर्व कप्तान बाबर आजम के नाम है। बाबर ने 1,289 गेंद खेलकर अपने 2,000 रन पूरे किए थे। तीसरे स्थान पर भी पाकिस्तान के ही विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान हैं। रिजवान ने 2,000 टी20 रन 1,326 गेंदों पर पूरे किए हैं। अभिषेक शर्मा द्वारा सूर्यकुमार यादव का रिकॉर्ड तोड़ते ही बाबर आजम और रिजवान क्रमशः तीसरे और चौथे नंबर पर चले जाएंगे।

विकेटों का शतक पूरा करने के करीब कुलदीप

वहीं, बाएं हाथ के स्पिनर

कुलदीप यादव के पास इस मुकाबले में अपने टी20 करियर में विकेटों का शतक पूरा करने का मौका है। कुलदीप यादव ने लखनऊ में खेले गए पहले टी20 मुकाबले में शानदार गेंदबाजी की थी। बाएं हाथ के इस करिश्माई स्पिनर ने 4 ओवर में 33 रन देकर दो विकेट लेते हुए अपने टी20 विकेटों की संख्या 97 तक पहुंचा दी थी। अगर कुलदीप रांची टी20 में तीन विकेट हासिल करने में सफल रहते हैं, तो उनके 100 टी20 विकेट पूरे हो जाएंगे। कुलदीप ने 55 मैचों की 53 पारियों में 97 विकेट लिए हैं। अगर वह वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टी20 में 3 विकेट ले पाए, तो अंतरराष्ट्रीय टी20 में 100 विकेट लेने वाले भारत के पांचवें गेंदबाज होंगे। कुलदीप दो बार पांच विकेट लेने की उपलब्धि भी हासिल कर चुके हैं। अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह, हार्दिक पांड्या और अक्षर पटेल यह 100 विकेट वाली उपलब्धि हासिल कर चुके हैं। टी20 में भारत की तरफ से सर्वाधिक विकेट लेने का रिकॉर्ड बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह के नाम है। अर्शदीप सिंह ने 95 मैचों की 92 पारियों में गेंदबाजी करते हुए कुल 141 विकेट लिए हैं। जसप्रीत बुमराह दूसरे नंबर पर हैं। बुमराह ने 100 मैचों में 126 विकेट लिए हैं। हार्दिक पांड्या तीसरे नंबर पर हैं। पांड्या ने 138 मैचों में 114 विकेट लिए हैं।

संक्षिप्त

जीएसटी काउन्सिल ने टैक्स चोरी पर सजा के नियम बदले, अब जेल अनिवार्य नहीं

नयी दिल्ली। माल एवं सेवा कर परिषद (जीएसटी) ने जीएसटी संबंधी अपराधों के लिए अधिकतम पांच साल तक की कैद, जुर्माना या दोनों की सजा का प्रावधान किया है। इसके तहत सजा के प्रावधान को 'कैद और जुर्माने' से बदलकर 'कैद या जुर्माना या दोनों' कर दिया गया है। इसमें 10 करोड़ रुपये से अधिक की कर चोरी के मामलों में अधिकतम सजा को तर्कसंगत बनाते हुए पांच साल तक की कैद, जुर्माना या दोनों का प्रावधान किया गया है। केंद्र और राज्यों के वित्त मंत्रियों वाली जीएसटी परिषद की 57वीं बैठक में पांच करोड़ रुपये से अधिक लेकिन 10 करोड़ रुपये से कम की कर चोरी के मामलों में दो साल तक की कैद, जुर्माना या दोनों की सजा को मंजूरी दी गई। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने अक्सर पूछे जाने वाले सवालों (एफएक्यू) में कहा कि किसी व्यक्ति को दोषी ठहराए जाने की स्थिति में भी कैद की सजा देना अनिवार्य नहीं होगा। सीबीआईसी ने कहा, ''सजा के प्रावधान को 'कैद और जुर्माने' से बदलकर 'कैद या जुर्माना या दोनों' करने का प्रस्ताव है, ताकि सजा तय करने में अदालत को विवेकाधिकार मिल सके।'' धारा 132 (3) के तहत कम–से–कम छह महीने की कैद देने की अनिवार्यता खत्म कर दी गई है, ताकि अदालत को सजा तय करने में विवेकाधिकार मिल सके। परिषद की सिफारिशों को एक अप्रैल, 2027 से लागू किया जाएगा। अपराधों को गैर–आपराधिक बनाने की दिशा में एक बड़े कदम के तहत जीएसटी परिषद ने जीएसटी कानून के अंतर्गत गिरफ्तारी के प्रावधान हटाने का फैसला किया है। इसके तहत जीएसटी अधिकारी कानून के किसी अपराध के लिए किसी व्यक्ति को गिरफ्तार नहीं कर सकेंगे। हालांकि, यदि मामले में शामिल राशि पांच करोड़ रुपये से अधिक है, तो कर अधिकारी की शिकायत पर सक्षम अदालत में अभियोजन की कार्रवाई शुरू की जा सकेगी। परिषद ने जीएसटी चोरी के मामलों में अभियोजन शुरू करने की सीमा मौजूदा एक करोड़ रुपये से बढ़ाकर पांच करोड़ रुपये कर दी है।

पीसी ज्वैलर हुआ पूरी तरह कर्ज मुक्त, 14 बैंकों का कर्ज चुकाने के बाद स्टॉक में उछाल

दिल्ली की कंपनी पीसी ज्वैलर लिमिटेड के शेयरों पर निवेशकों की नज़र रहने की संभावना है, क्योंकि कंपनी ने अपने बैंक कर्ज़ के समाधान के बारे में जानकारी दी है। वित्त वर्ष 2027 की दूसरी तिमाही में कंपनी की रेवेन्यू में 28 प्रतिशत की बढ़ोतरी की घोषणा के बाद से ही यह स्टॉक चर्चा में है। पिछले दो दिनों में इस स्टॉक में तेज़ी आई है और यह 7.5 प्रतिशत ऊपर चढ़ा है। पिछले ट्रेडिंग सेशन में यह शेयर 5.78 प्रतिशत बढ़कर 13.91 रुपये पर बंद हुआ। कंपनी का मार्केट कैप 13,549.85 करोड़ रुपये रहा। स्टॉक 13.46 रुपये पर खुला और दिन के दौरान इसने 14.38 रुपये का इंट्राडे हाई और 13.43 रुपये का इंट्राडे लो छुआ। कंपनी ने एक्सचेंज को दी जानकारी में बताया कि कर्ज देने वाले बैंकों के समूह (कंसोर्टियम) के पास गिरवी रखी सभी संपत्तियां, सिक्योरिटीज़, पर्सनल और कॉर्पोरेट गारंटी और अंडरटेकिंग पूरी तरह से वापस मिल गई हैं। ओरिजिनल टाइटल डीड्स (स्वामित्व के मूल दस्तावेज़) भी संबंधित मालिकों को लौटा दिए गए हैं। कंसोर्टियम के सभी 14 बैंकों से नो ऑब्जेक्शन, नो ड्यूज़ और रिलीज़ लेटर मिलने के बाद कंपनी की स्ट्रक्चरल डेट सेटलमेंट (कर्ज निपटान) प्रक्रिया पूरी हो गई है। कंपनी ने बताया कि ग्राहकों की अच्छी मांग के कारण इस वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में उसका कंसोलिडेटेड रेवेन्यू सालाना आधार पर 28: बढ़ा। रेगुलेटरी फाइलिंग के अनुसार, वित्त वर्ष 2026–27 की जुलाई–सितंबर अवधि के दौरान कंपनी का कंसोलिडेटेड रेवेन्यू सालाना आधार पर लगभग 28: बढ़ा। कंपनी ने कहा कि सितंबर तिमाही के दौरान, सभी बैंकों का बकाया कर्ज समय से पहले चुकाने के बाद कंपनी कर्ज–मुक्त हो गई। बैंक का कोई बकाया कर्ज न होने से कंपनी भविष्य में ब्याज लागत पर बचत करेगी, जिससे उसके मुनाफे पर सकारात्मक असर पड़ेगा और बैलेंस शीट मजबूत होगी।

डोनाल्ड ट्रंप ने सत्य नडेला को किया सम्मानित, माइक्रोसॉफ्ट के काम की सराहना की

अमेरिका में विदेशी कामगारों की नियुक्ति को लेकर माइक्रोसॉफ्ट के खिलाफ कार्रवाई की घोषणा के कुछ ही समय बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बृहस्पतिवार को कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) सत्य नडेला की सराहना की और उन्हें राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी एवं नवोन्मेष पदक से सम्मानित किया। राष्ट्रपति ट्रंप ने नडेला को पदक प्रदान करते समय 'माइक्रोसॉफ्ट' में नडेला के काम की तारीफ की और विदेशी कामगारों की नियुक्ति को लेकर कंपनी पर कोई बयान नहीं दिया। ट्रंप ने कहा, ''तीन दशक से अधिक समय से, सत्य नडेला 'माइक्रोसॉफ्ट' के बदलाव में एक प्रमुख व्यक्ति रहे हैं। उन्होंने कंपनी में क्रांति ला दी है और अब तक के सबसे सक्षम सॉफ्टवेयर के साथ दुनिया भर के व्यवसायों, छात्रों और उपभोक्ताओं को सशक्त बनाया है।'' राष्ट्रपति से वैज्ञानिक और तकनीकी उपलब्धि के लिए पुरस्कार प्राप्त करने वाले प्रौद्योगिकी क्षेत्र के छह उद्योगपतियों में से पांच प्रवासी हैं। राष्ट्रपति ने 'स्पेसएक्स' के सीईओ एलन मस्क, 'गूगल' के सह–संस्थापक सर्गेई ब्रिन, 'एनवीडिया' के सीईओ जेनसेन हुआंग और सेमीकंडक्टर कंपनी 'एडवांस्ड माइक्रो डिवाइसेस' की सीईओ लीसा सु को राष्ट्रीय विज्ञान पदक प्रदान किया। हालांकि, इसके कुछ समय पहले अमेरिका के उपराष्ट्रपति जे डी वेंस ने माइक्रोसॉफ्ट को उस कार्यक्रम से निलंबित किए जाने की घोषणा की जिसके तहत कंपनियां एच–1बी वीजा धारक कुशल विदेशी कर्मचारियों के लिए ग्रीन कार्ड का आवेदन कर सकती हैं। धोखाधड़ी कार्यबल के प्रमुख रहे वेंस ने अधिकार क्षेत्र के तहत माइक्रोसॉफ्ट पर यह कार्रवाई हुई। हालांकि, इस कार्रवाई से अमेरिका की आर्थिक वृद्धि को गति देने वाली कंपनियों और आव्रजन कम करने के प्रशासन के प्रयासों के बीच तनाव उजागर हुआ। प्रशासन का कहना है कि आव्रजन से अमेरिकी कर्मचारियों को नुकसान हुआ है।

वर्ल्ड कप 2027 में साउथ अफ्रीका के युवा खिलाड़ी दिखाएंगे कमाल, इमरान ताहिर ने जताया भरोसा

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व स्पिनर इमरान ताहिर ने टीम के टैलेंटेड युवा खिलाड़ियों और हालिया प्रदर्शन की तारीफ़ की, जिसमें पिछले साल वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में जीत और वनडे में सफलता शामिल है। चल रही श्वर्ल्ड चौंपियनशिप ऑफ़ लेजेंड्सश् (ब्स्) के दौरान – जिसमें वह श्साउथ अफ्रीका चौंपियंसश की ओर से खेल रहे हैं – ताहिर ने कहा कि उन्हें भरोसा है कि आने वाले वर्ल्ड कप से पहले, अगले कुछ सालों में प्रोटियाज़ (दक्षिण अफ्रीकी टीम) एक मज़बूत 50–ओवर वाली टीम बन सकती है। ताहिर ने ।छप् से कहा कि दक्षिण अफ्रीका के पास हमेशा से टैलेंटेड खिलाड़ी और युवा टैलंट का एक मज़बूत पूल रहा है। जिस तरह से उन्होंने घर से बाहर प्रदर्शन किया है – जिसमें वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप और वनडे सीरीज़ जीतना शामिल है – उससे पता चलता है कि वे बहुत अच्छा क्रिकेट खेल रहे हैं। मुझे उम्मीद है कि अगले एक–दो सालों में, वे एक बहुत मज़बूत टीम के तौर पर विकसित होते रहेंगे, खासकर 50–ओवर के फ़ॉर्मेट में, और आने वाले वर्ल्ड कप को ध्यान में रखते हुए आगे बढ़ेंगे। ताहिर ने टीम के प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ियों की तारीफ़ की कि उन्होंने पुराने स्टार खिलाड़ियों के जाने से खाली हुई जगह को सफलतापूर्वक भरा है। उनका मानना छ्है कि खिलाड़ियों में एक मज़बूत टीम बनने की क्षमता है और अगले एक–दो सालों में और ज़्यादा इंटरनेशनल अनुभव मिलने से टीम और भी मज़बूत होगी। उन्होंने कहा कि वे सिर्फ़ प्रतिभाशाली ही नहीं, बल्कि बहुत ज़्यादा प्रतिभाशाली हैं। जिन खिलाड़ियों ने पहले साउथ अफ़्रीका का प्रतिनिधित्व किया था, वे बड़े नाम थे, इसलिए उनकी जगह लेना हमेशा से एक चुनौती रही है। लेकिन मौजूदा खिलाड़ियों ने बहुत अच्छा काम किया है और उन कमियों को अच्छे से पूरा किया है। उनमें निश्चित रूप से प्रतिभा है; अब उन्हें बस थोड़े और अनुभव की ज़रूरत है क्योंकि यह अभी भी एक अपेक्षाकृत युवा ग्रुप है। उनमें से ज़्यादातर ने लगभग 50 से 70 वनडे या 20 से 30 ज्20 मैच खेले हैं, इसलिए उन्हें अच्छा अनुभव मिल रहा है। जैसे–जैसे वे अगले एक–दो साल में और ज़्यादा क्रिकेट खेलेंगे और अनुभव हासिल करेंगे, मुझे विश्वास है कि यह टीम बहुत मज़बूत हो जाएगी। 2027 क्रिकेट वर्ल्ड कप 2 अक्टूबर से 21 नवंबर 2027 तक आयोजित होने वाला है।

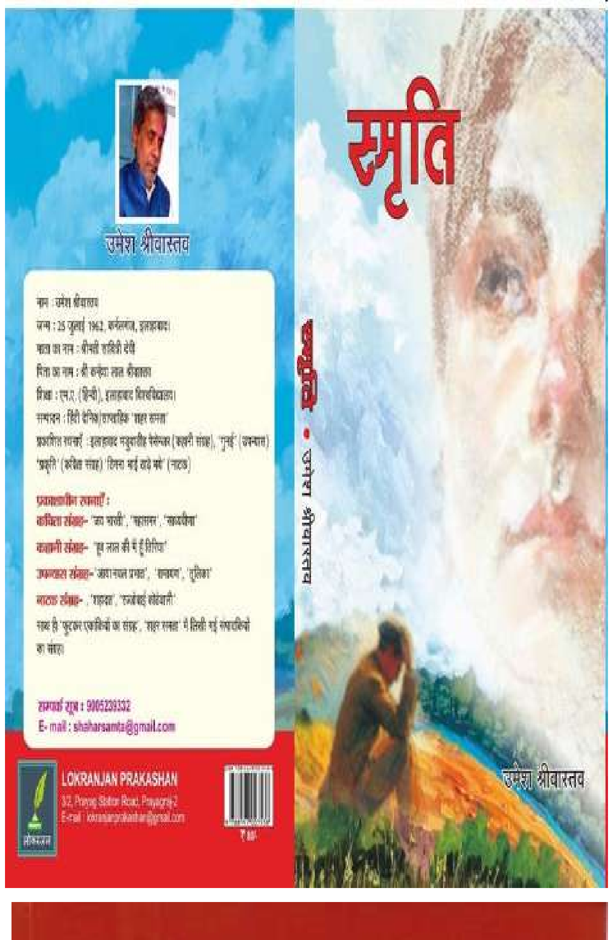

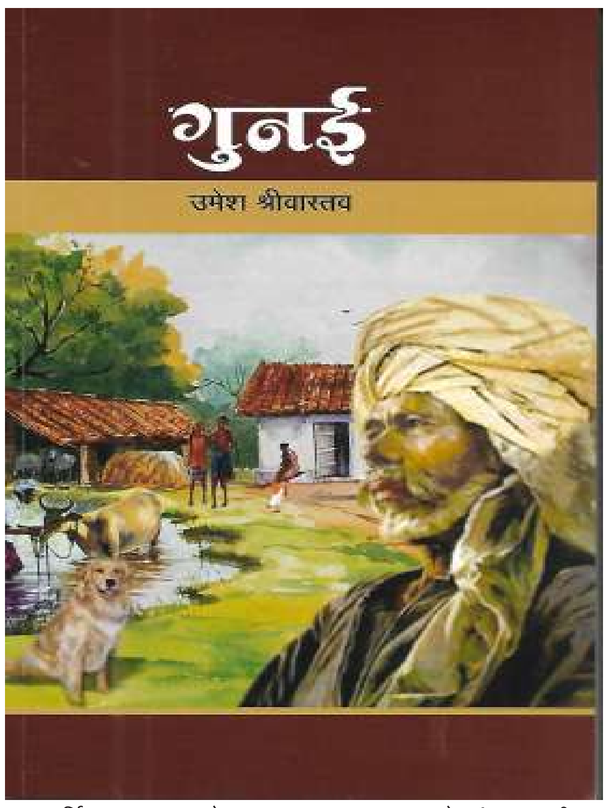

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

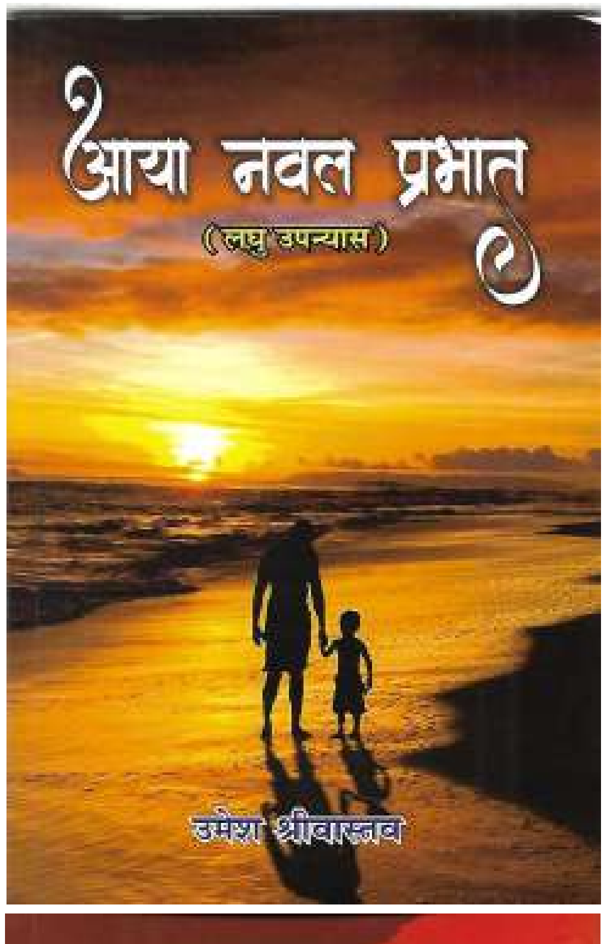

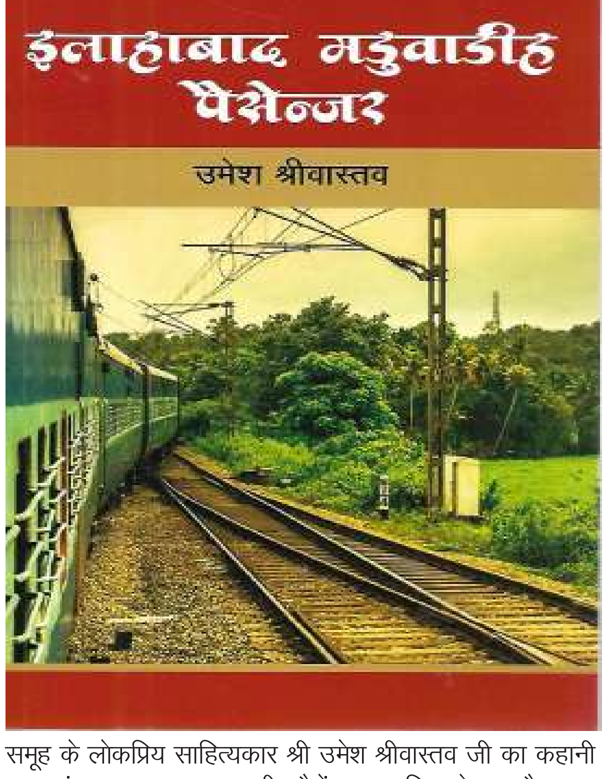

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

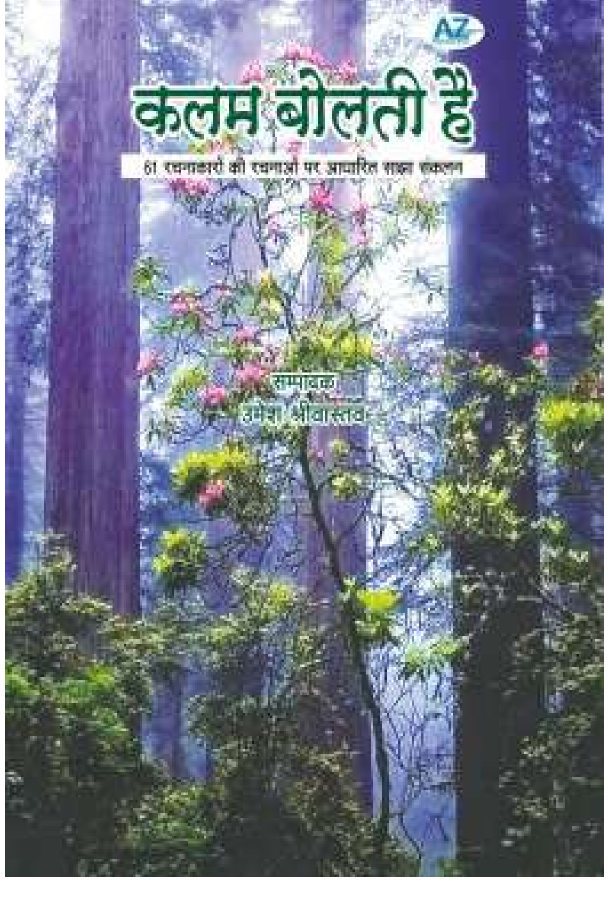

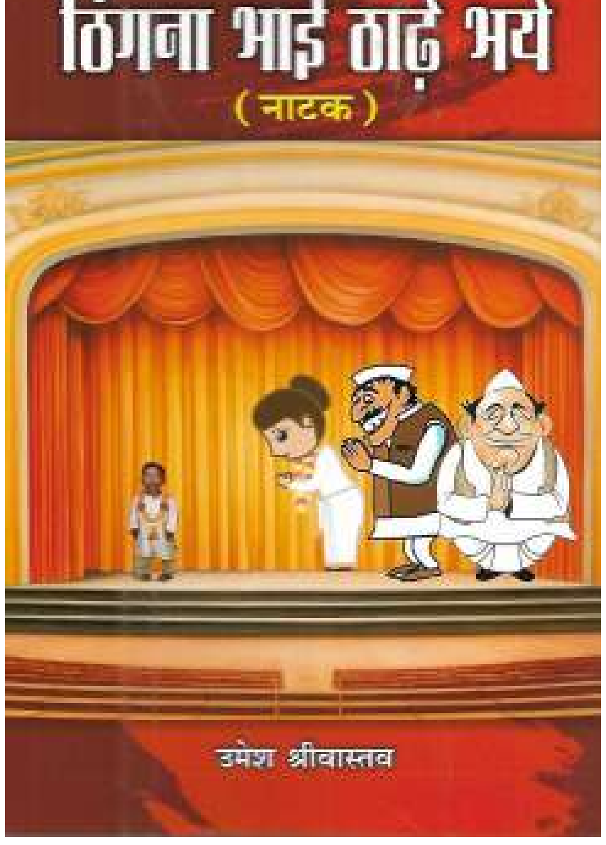

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

माइक्रोसॉफ्ट ने दी सफाई, एच–1बी वीजा के 80 फीसदी आवेदन पुराने स्टाफ के लिए थे

वाशिंगटन। माइक्रोसॉफ्ट ने कहा है कि पिछले वित्त वर्ष में एच–1बी वीजा के लिए उसके द्वारा दाखिल किए गए लगभग 6,000 आवेदनों में से 80 प्रतिशत मौजूदा कर्मचारियों के वीजा की अवधि बढ़ाने या उनकी स्थिति में बदलाव के लिए थे न कि नए लोगों को नौकरी पर रखने के लिए। उपराष्ट्रपति जे. डी. वेंस ने कंपनी पर व्यवस्था का दुरुपयोग करने का आरोप लगाते हुए उसे विदेशी श्रमिकों के लिए ग्रीन कार्ड आवेदन करने के एक कार्यक्रम से निलंबित कर दिया था जिसके बाद बृहस्पतिवार को माइक्रोसॉफ्ट का यह बयान आया। माइक्रोसॉफ्ट ने कहा, ''हम अमेरिकी कार्यबल की ताकत और प्रतिभा पर भरोसा करते हैं। यही कारण है कि अमेरिका में माइक्रोसॉफ्ट के अधिकतर कर्मचारी अमेरिकी हैं। हम प्रशासन को अतिरिक्त जानकारी प्रदान करने के लिए तैयार हैं।'' कंपनी ने कहा, ''उदाहरण के लिए पिछले वित्त वर्ष में एच–1बी वीजा के लिए दाखिल किए गए लगभग 6,000 आवेदनों में से 80 प्रतिशत माइक्रोसॉफ्ट के मौजूदा कर्मचारियों की वीजा अवधि बढ़ाने या उनकी स्थिति में बदलाव के लिए थे। ये आवेदन नए लोगों को नौकरी पर रखने के लिए नहीं थे।'' नए कर्मचारियों के लिए किए गए शेष आवेदन उन लोगों के लिए थे जो पहले से ही कानूनी रूप से अमेरिका में रह रहे थे और जिन्होंने कंपनी के लिए काम करने का फैसला किया। ऐसे लोग अमेरिकी कार्यबल का केवल एक प्रतिशत हिस्सा ही हैं। माइक्रोसॉफ्ट ने कहा, ''वे हमारे देश में आने वाले नए लोग नहीं हैं।'' कंपनी ने कहा कि माइक्रोसॉफ्ट एच–1बी वीजा के लिए केवल उन्हीं लोगों के आवेदन दाखिल करती है, जो इस वीजा श्रेणी के कड़े मानकों पर खरे उतरते हैं। माइक्रोसॉफ्ट ने कहा, ''हम अपने कर्मचारियों को प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सबसे अधिक वेतन देने वालों में से हैं और एच–1बी आवेदनों में भी सबसे अधिक वेतनमान देने वाली कंपनियों में हम हैं। हम अपने एच–1बी कर्मचारियों को भी उतना ही भुगतान करते हैं जितना कि समान काम करने वाले किसी अन्य कर्मचारी को दिया जाता है।'' कंपनी ने कहा, ''माइक्रोसॉफ्ट दुनिया के सर्वश्रेष्ठ टेक्नोलॉजी कार्यबल को विकसित करके एक वैश्विक टेक्नोलॉजी लीडर के रूप में सफल हुआ है।

भारत संग जल विवाद कूटनीति से सुलझाएगा बांग्लादेश, हुमायूं कबीर ने सहयोग पर दिया जोर

ढाका। बांग्लादेश के विदेश राज्य मंत्री हुमायूं कबीर ने बृहस्पतिवार को कहा कि ढाका और नयी दिल्ली के बीच पानी के बंटवारे से जुड़े मुद्दों को बातचीत और कूटनीति के जरिये सुलझाया जाना चाहिए। सरकारी समाचार एजेंसी 'बीएसएस' की खबर के मुताबिक, कबीर ने कहा कि बातचीत में प्रगति तभी संभव होगी, जब दोनों देशों के नेता सहयोग के साथ आगे बढ़ने की राजनीतिक इच्छाशक्ति दिखाएंगे। उन्होंने कहा, ''इन मामलों को बातचीत, संवाद और कूटनीति के जरिये ही सुलझाना होगा। अंतरराष्ट्रीय कानून के पहलुओं पर भी ध्यान दिया जा रहा है। अभी हमारी स्थिति यही है।'' कबीर 'पानी के भविष्य पर पुनर्विचार रू युवा नेतृत्व, न्याय और सहयोग' विषय पर आयोजित एक संगोष्ठी में शामिल होने के बाद संवाददाताओं से मुखातिब थे। सीमा–पार बहने वाली नदियों और गंगा जल बंटवारा संधि के भविष्य से जुड़े सवालों का जवाब देते हुए कबीर ने कहा कि बांग्लादेश और भारत के बीच बातचीत जारी है। उन्होंने क्षेत्रीय सहयोग को मजबूत करने की अहमियत पर जोर दिया। कबीर ने कहा, ''बातचीत और संवाद जारी है। एक सौहार्दपूर्ण और सकारात्मक निष्कर्ष दोनों पक्षों की ईमानदारी और सभी स्तरों पर सहयोग करने की इच्छाशक्ति पर निर्भर करेगा।'' उन्होंने कहा, ''अगर दोनों देशों के बीच वरिष्ठ अधिकारियों के स्तर पर, नेतृत्व के स्तर पर और पानी से जुड़े मामलों पर बातचीत करने वालों के स्तर पर ईमानदारी हो... तो हम निश्चित रूप से इस मुद्दे पर एक सार्थक और सकारात्मक समाधान निकाल लेंगे।'' कबीर ने कहा कि बांग्लादेश ने इन मुद्दों पर विचार करने के लिए एक समिति बनाई है, जबकि भारत भी अपने तरीकों से इन मामलों की समीक्षा कर रहा है। उन्होंने कहा, ''अगर नेतृत्व आगे बढ़कर सहयोग करने की सोच रखता है, तो हम निश्चित रूप से एक सौहार्दपूर्ण और सकारात्मक समाधान तक पहुंच जाएंगे।'' भारत और बांग्लादेश के बीच 54 सीमा–पार नदियां बहती हैं और वे संयुक्त नदी आयोग के जरिये पानी से जुड़े मुद्दों को सुलझाते हैं। तीस्ता नदी के पानी के बंटवारे का मुद्दा भारत–बांग्लादेश के बीच जल सहयोग में दशकों से एक बड़ी अड़चन है। तीस्ता मुद्दा गंगा जल बंटवारा संधि से अलग है। भारत और बांग्लादेश ने 1996 में 30 साल के लिए इस संधि पर हस्ताक्षर किए थे और यह दिसंबर 2026 में समाप्त होने वाली है।

माइक्रोसॉफ्ट निलंबन पर भड़कीं प्रमिला जयपाल , बोलीं कानूनी प्रवासन व्यवस्था को बर्बाद कर रहा ट्रंप प्रशासन

वाशिंगटन। अमेरिका में डेमोक्रेटिक पार्टी की सांसद प्रमिला जयपाल ने माइक्रोसॉफ्ट को स्थायी श्रम प्रमाणन कार्यक्रम से निलंबित करने के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व वाले प्रशासन के फैसले की तीखी आलोचना करते हुए कहा कि यह कदम अमेरिका में कानूनी प्रवासन व्यवस्था को तहस–नहस करने जैसा है। अमेरिका ने बृहस्पतिवार को कॉग्निजेंट, इन्फोसिस, टाटा, विप्रो, एचसीएल, कैपजेमिनी, माइक्रोसॉफ्ट और एडोब समेत आठ सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनियों को स्थायी श्रम प्रमाणन कार्यक्रम से निलंबित कर दिया। अमेरिकी प्रशासन का तर्क है कि इस व्यवस्था के कारण अमेरिकी नागरिकों के लिए रोजगार के अवसर प्रभावित हुए हैं। वाशिंगटन राज्य का प्रतिनिधित्व करने वाली जयपाल ने बृहस्पतिवार को कहा कि प्रौद्योगिकी क्षेत्र की दिग्गज कंपनी माइक्रोसॉफ्ट प्रवासन व्यवस्था में सुधारों की वकालत करती रही है। कंपनी का मुख्यालय वाशिंगटन राज्य के रेडमंड में है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

'अन्याय के राजा' का अनोखा विरोध... यूरोपीय संसद में लगी डोनाल्ड ट्रंप की न्यूड विवादित सुनहरी मूर्ति, दुनिया भर में मचा हड़कंप

फ्रांस के स्ट्रासबर्ग में स्थित यूरोपीय संसद की इमारत में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की एक विशाल और विवादित सुनहरी मूर्ति लगाई गई है। 8.5 फुट ऊंची और 23–कैरेट सोने की परत से ढकी इस मूर्ति में डोनाल्ड ट्रंप को नग्न (छनकम) दिखाया गया है। ऑरेंज प्लेग नाम की इस विवादित कलाकृति को देखने के लिए यूरोपीय संसद परिसर में लोगों की भारी भीड़ उमड़ रही है। ऑरेंज लेग नाम की यह मूर्ति डेनिश कलाकार जेन्स गैलशियोट ने बनाई है। इसमें ट्रंप को एक छोटे, कपड़े पहने हुए आदमी के कंधों पर बैठे हुए दिखाया गया है, जो उनका बोझ उठा रहा है। इस मूर्ति को 'अन्याय का राजा' भी कहा जाता है।

यूरोपीय संसद में ट्रंप की विशाल सुनहरी मूर्ति लगाई गई

द टेलीग्राफ के अनुसार, इस मूर्ति को स्ट्रासबर्ग में यूरोपीय संसद की दो इमारतों को जोड़ने वाले सबसे व्यस्त चौराहों में से एक पर रखा गया है। इसे गुरुवार तक वहीं रखा जाएगा। मूर्ति के आधार पर लिखा है, मैं एक आदमी की पीठ पर बैठा हूं। वह मेरे बोझ तले दब रहा है। मैं उसकी मदद के लिए कुछ भी करूंगा। सिवाय उसकी पीठ से नीचे उतरने के। गैलशियोट ने कहा कि ट्रंप उस चीज़ का प्रतिनिधित्व करते हैं जिसे वे नियमों पर आधारित विश्व व्यवस्था, लोकतांत्रिक मूल्यों और जलवायु संकट से निपटने के प्रयासों के लिए सबसे बड़े खतरों में से एक मानते हैं। डेनिश कलाकार ने कहा, हमें इस मुद्दे पर ध्यान देना चाहिए और ऐसे विनाशकारी प्रभाव के खिलाफ एकजुट होना चाहिए।

गैलशियोट के अनुसार, यह मूर्ति 'द एम्परर्स न्यू क्लोद्स' (सम्राट के नए कपड़े) से प्रेरित थी। यह एक ऐसे घमंडी नेता की कहानी है जो मानता है कि उसने शानदार कपड़े पहने हैं, जबकि असल में वह नग्न होता है। कहानी में, सम्राट के आस–पास के लोग डर और चापलूसी के कारण चुप रहते हैं, जब तक कि एक बच्चा यह नहीं कहता कि उसने कोई कपड़े नहीं पहने हैं, जिससे शासक हंसी का पात्र बन जाता है।

ट्रंप की मूर्ति 23–कैरेट सोने की परत से ढकी है

यह मूर्ति 23–कैरेट सोने की परत से ढकी हुई है। कलाकार की वेबसाइट के अनुसार, गैलशियोट ने कहा कि सोने की परत ष्बस उनके नग्नपन को और अधिक चमकाती है।ष इस मूर्ति को देखने आने वालों को विरोध के प्रतीक के रूप में मूर्ति के छोटे संस्करण भी दिए गए हैं। ''इन छोटी मूर्तियों को विरोध के प्रतीक या श्मैस्कॉटश के तौर पर देखा जा सकता है।''

उन्होंने कहा, ये ऐसी चीज़ें हैं जिन्हें लोग अपने साथ ले जा सकते हैं; ये उन्हें उकसाने और उनके दबदबे के ख़िलाफ़ एकजुट होकर खड़े होने के लिए प्रेरित करने का काम करती हैं। कलाकार ने इनकी फ़ाइलें ऑनलाइन भी उपलब्ध कराई हैं ताकि लोग इनका 3क–प्रिंट निकालकर अपना वर्शन बना सकें। गैल्शियोट ने एक्स पर बताया कि उनकी योजना इस मूर्ति के 10,000 छोटे वर्शन बांटने की है। कलाकार की शेयर की गई तस्वीरों में ये छोटी मूर्तियां कई रंगों में दिखाई दीं, जिनमें ग्रे, पिंक, ब्लू और ग्रीन शामिल हैं।

ऑरेंज प्लेग मूर्ति को पहले COP30 में दिखाया गया था

इस आर्टवर्क को पहले ब्राज़ील में COP30 में दिखाया गया था और बाद में इस साल जर्मनी में म्यूनिख सिक्योरिटी कॉन्फ्रेंस में भी प्रदर्शित किया गया था। ट्रम्प की यह पहली सुनहरी मूर्ति नहीं है। अप्रैल में, उनके मियामी गोल्फ़ कोर्स में ट्रम्प की एक सुनहरी मूर्ति, 15 फ़ीट ऊंची ष्डॉन कोलोससष का अनावरण किया गया था, जिसमें उन्हें पूरे कपड़ों में दिखाया गया था। ट्रम्प की योजना मियामी में अपनी प्रेसिडेंशियल लाइब्रेरी में अपनी दो विशाल सुनहरी मूर्तियां लगाने की भी है।

भाषा आपत्तिजनक है...जेडी वेंस की बंधुआ मजदूर वाली टिप्पणी पर भड़का भारत

विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस द्वारा एच–1बी वीज़ा पर काम करने वालों को बंधुआ मज़दूर कहे जाने की निंदा की। मंत्रालय ने इस शब्दावली को बेहद अपमानजनक बताया और कहा कि इसमें दर्दनाक ऐतिहासिक और औपनिवेशिक दौर की यादें जुड़ी हैं। विदेश मंत्रालय ने कहा कि इन टिप्पणियों में अमेरिकी अर्थव्यवस्था और इनोवेशन इकोसिस्टम में भारतीय पेशेवरों के योगदान को नज़रअंदाज़ किया गया है, जबकि टैलेंट मोबिलिटी (प्रतिभाओं की आवाजाही) से दोनों देशों को फ़ायदा होता है। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा हमने इस संदर्भ में अमेरिकी उपराष्ट्रपति की कुछ टिप्पणियाँ भी देखी हैं। हमारा मानना है कि ऐसी बातें अनुचित हैं और इस तथ्य को नज़रअंदाज़ करती हैं कि अमेरिका में भारतीय पेशेवर वहाँ की अर्थव्यवस्था और इनोवेशन इकोसिस्टम में उच्च शिक्षित और कुशल योगदानकर्ता हैं। बयान में कहा गया असल में अमेरिका का इतिहास उन अप्रवासियों की पीढ़ियों ने बनाया है जिनकी मेहनत, उद्यम और इनोवेशन ने देश की तरक्की और खुशहाली में योगदान दिया है। ऐसी शब्दावली का इस्तेमाल करना, जो दर्दनाक ऐतिहासिक और औपनिवेशिक विरासत की याद दिलाती हो, बेहद अपमानजनक है। यह बयान तब आया जब वेंस ने गुरुवार को वीज़ा धोखाधड़ी पर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए एच–1बी वीज़ा पर काम करने वालों को बंधुआ मज़दूर कहा और विदेशी आउटसोर्सिंग कंपनियों पर अमेरिकी कर्मचारियों की मज़दूरी कम करने का आरोप लगाया। वेंस ने कहा, अगर आप अमेरिका में एच–1बी वीज़ा पर काम कर रहे हैं, तो आप उसी पद पर काम करने वाले अमेरिकी नागरिक की तुलना में +20,000 कम कमा रहे हैं। अगर आपको इनमें से किसी विदेशी आउटसोर्सिंग कंपनी ने यहां बुलाया है, तो आप इसी तरह के पद पर काम करने वाले अमेरिकी नागरिक की तुलना में +48,000 कम कमा रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, ष्मुझे यकीन है कि यहाँ मौजूद हर कोई समझता है कि यह कैसा खेल चल रहा है। आप देश के बाहर से बंधुआ मज़दूरों जैसे लोगों को लाते हैं, अमेरिकी कर्मचारियों को नौकरी से निकालते हैं और अगर आप एक कॉर्पोरेशन हैं, तो अमेरिकी कर्मचारियों की मज़दूरी कम करके और उनकी जगह ऐसे लोगों को रखकर बहुत सारा पैसा कमाते हैं, जिन्हें असल में अमेरिका में होना ही नहीं चाहिए।ष इसके अलावा, कुछ कंपनियों के लिए परमानेंट लेबर सर्टिफिकेशन प्रोग्राम से जुड़े अमेरिकी श्रम विभाग के फ़ैसले पर बात करते हुए, विदेश मंत्रालय ने साफ़ किया कि PERM, एच–1बी वीज़ा प्रोग्राम से अलग है।

फ्लाईदुबई विमान को हाईजैक होने से बचाने वाले भारतीय कैप्टन स्मित मच्छर को किया जाएगा इज़राइल के प्रेसिडेंशियल अवॉर्ड से सम्मानित

दुबई से तेल अवीव जा रहे 'फ्लाईदुबई' के विमान को एक बड़ी हवाई दुर्घटना और संभावित आतंकी हमले से बचाने वाले भारतीय पायलट कैप्टन स्मित मच्छर को इज़राइल के प्रतिष्ठित श्प्रेसिडेंशियल अवॉर्ड फॉर सिविलियन हीरोइज़्मश (नागरिक वीरता के लिए राष्ट्रपति पुरस्कार) से सम्मानित किया जाएगा। इज़राइल

के राष्ट्रपति इसाक हर्ज़ोग (प्ेंब भ्मत्रवह) ने कैप्टन स्मित मच्छर के अदम्य साहस, असाधारण बहादुरी और बेहतरीन पेशेवर समझ की सराहना करते हुए इस सम्मान की घोषणा की है। गंभीर रूप से घायल होने और काफ़ी खून बहने के बावजूद, कैप्टन मच्छर कॉकपिट का दरवाज़ा खोलने में कामयाब रहे, जिससे यात्री अंदर आ सके और हमलावर को काबू में कर सके। उनके इस काम से हवा में होने वाली एक बड़ी दुर्घटना टल गई और विमान में सवार 174 यात्रियों और क्रू सदस्यों की जान बच गई। राष्ट्रपति हर्ज़ोग ने मच्छर की बहादुरी और प्रोफ़ेशनलिज़्म की तारीफ़ करते हुए उन्हें सम्मानित करने का फ़ैसला सुनाया। उन्होंने कहा कि पायलट के काम से एक बड़ी दुर्घटना टल गई और उनके पूरी तरह और तेज़ी से ठीक होने की उम्मीद जताई। ष्आज हम उन इज़राइली नायकों को सलाम करते हैं जिन्हें हम सम्मानित कर रहे हैं, और उनके साथ–साथ, हम भारत के कैप्टन स्मित मच्छर के पूरी तरह और तेज़ी से ठीक होने की कामना करते हैं।

कैप्टन मच्छर की ज़बरदस्त बहादुरी और बेहतरीन प्रोफ़ेशनलिज़्म ने एक बड़ी दुर्घटना को रोकने में मदद की। उनके ठीक होने के बाद, इज़राइल के लोगों की ओर से उन्हें श्प्रेसिडेंशियल अवॉर्ड फॉर सिविलियन हीरोइज़्मश देना मेरे लिए सम्मान की बात होगी। यह अवॉर्ड बहुत ज़्यादा दबाव के बीच मच्छर की प्रतिक्रिया को मान्यता देगा, जब उन्होंने गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद काम करना जारी रखा। कॉकपिट का दरवाज़ा खोलने का उनका फ़ैसला बहुत अहम साबित हुआ, जिससे विमान के अंदर मौजूद लोग हमलावर का सामना कर सके और स्थिति को काबू में कर सके।

जानकारी के मुताबिक, कॉकपिट के अंदर मच्छर पर उनके ओमान के को–पायलट हम्मामी अल–हम्मामी ने हमला किया था। हमले के दौरान कथित तौर पर क्रैश एक्स (विमान में आपातकालीन स्थिति के लिए रखी जाने वाली कुल्हाड़ी) का इस्तेमाल किया गया था। इस हमले में भारतीय कैप्टन गंभीर रूप से घायल हो गए।

पाकिस्तान के नक्शे को फिर से बदलने की तैयारी

सेना प्रमुख आसिम मुनीर का दांव-4 प्रांतों को तोड़कर बनाए जा सकते हैं 15 नए राज्य

पाकिस्तान के राजनीतिक और प्रशासनिक नक्शे में दशकों बाद सबसे बड़ा फेरबदल देखने को मिल सकता है। श्द इकोनॉमिस्टश की एक रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर देश के मौजूदा चार बड़े प्रांतोंकृपंजाब, सिंध, खैबर पख्तूनख्वा (ज्ञच) और बलूचिस्तानकृको विभाजित कर 12 से 15 नए प्रांत या 160 छोटे प्रशासनिक इलाके बनाने की योजना बना रहे हैं। कागज़ पर इसे प्रशासनिक सुधार के तौर पर पेश किया जा रहा है, लेकिन राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह कदम सिविलियन राजनीतिक दलों को कमज़ोर करने और मिलिट्री एस्टेब्लिशमेंट (सेना) की पकड़ को और मज़बूत करने की एक रणनीतिक चाल हो सकती है। कागज़ पर, पाकिस्तान के प्रांतों के पुनर्गठन का एक सीधा–सा तर्क है। मौजूदा चार प्रांत आबादी और आकार में बहुत अलग–अलग हैं। पंजाब, जो देश का सबसे ज़्यादा आबादी वाला प्रांत है, वहां लगभग 12.8 करोड़ लोग रहते हैं, जो पाकिस्तान की कुल आबादी का आधे से ज़्यादा है। बलूचिस्तान, जो क्षेत्रफल के हिसाब से देश का सबसे बड़ा प्रांत है, वहां सिर्फ़ 1.5 करोड़ लोग रहते हैं। पंजाब की इतनी बड़ी आबादी का प्रशासन चलाने में गंभीर प्रशासनिक दिक्कतें आई हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, ग्रामीण इलाकों में लोगों को सरकारी सेवाओं के लिए घंटों यात्रा करनी पड़ती है, जबकि पंजाब के एक–चौथाई से भी कम लोगों को घर पर सुरक्षित पीने का पानी मिल पाता है।

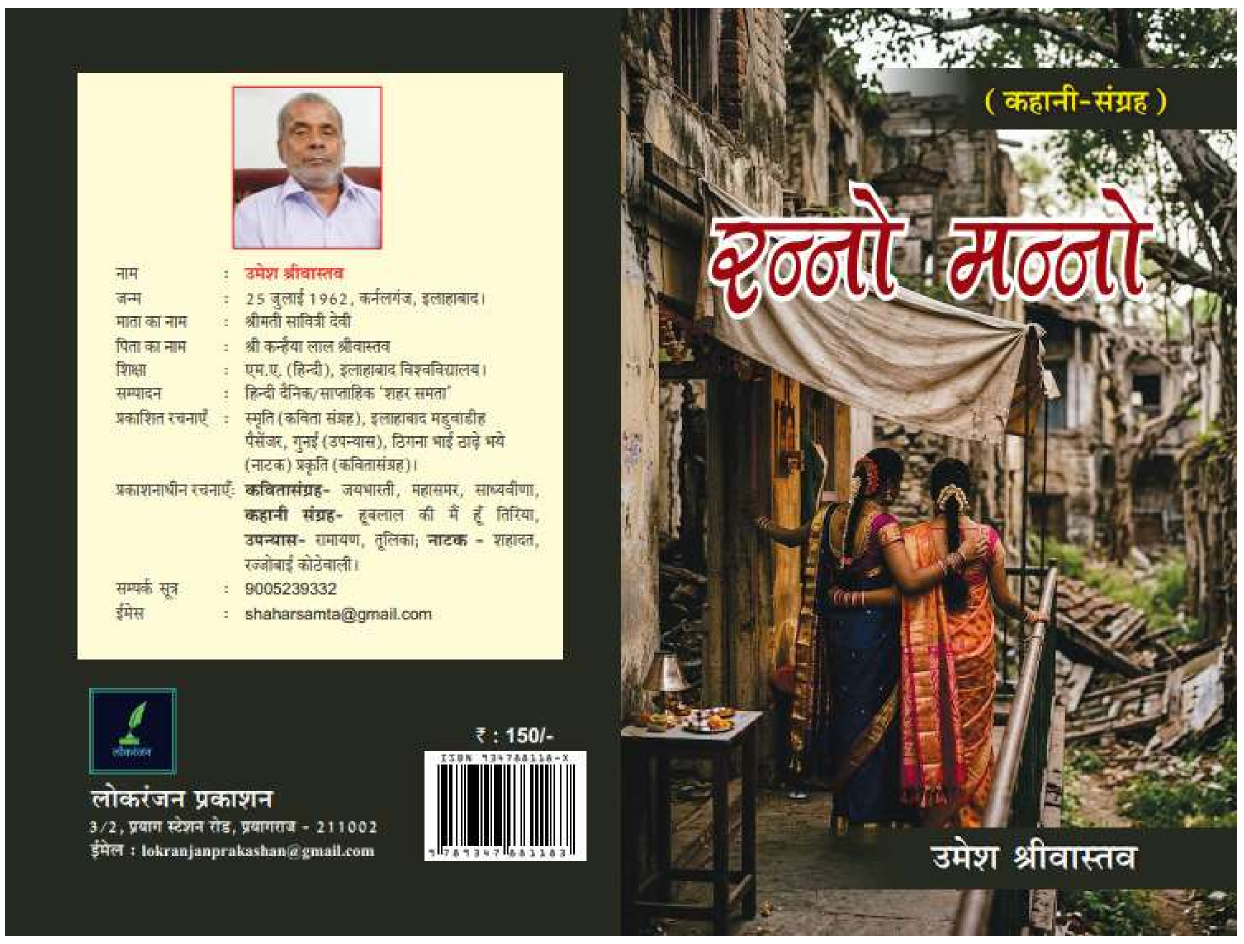

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता

स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित

सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332

आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466

Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।